संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 29
पृष्ठ 8
बुधवार
16 अक्टूबर 2024
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- करवा चौथ पर लगाएं ....   विचार- महंगाई की मार और....   खेल- न्यूजीलैंड के खिलाफ....

संचार और प्रौद्योगिकी के मामले में भारत दुनिया में सबसे गतिशील देश : मोदी

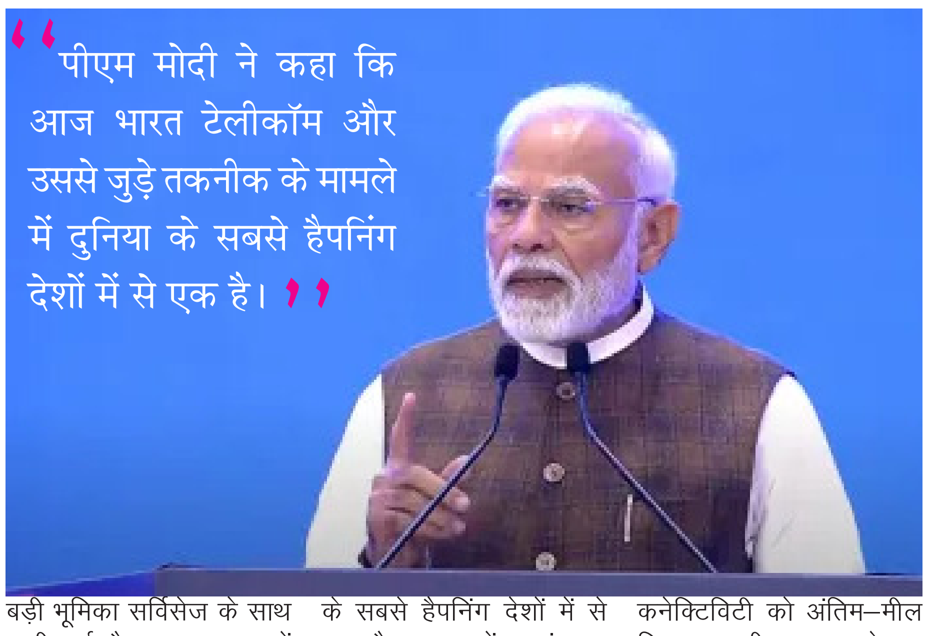

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 2014 में भारत में केवल दो मोबाइल विनिर्माण इकाइयां थीं और आज 200 से अधिक हैं। पहले हम ज्यादातर फोन विदेशों से आयात करते थे, आज हम भारत में पहले की तुलना में 6 गुना अधिक मोबाइल फोन का निर्माण कर रहे हैं। हम एक मोबाइल निर्यातक देश के रूप में जाने जाते हैं और हम यहीं नहीं रुके हैं, अब हम दुनिया को चिप्स से लेकर तैयार उत्पाद तक पूरी तरह से मेड–इन–इंडिया फोन उपलब्ध कराने में लगे हुए हैं। हम भारत में सेमीकंडक्टर में भी भारी निवेश कर रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ और विश्व दूरसंचार मानकीकरण सभा का एक साथ होना भी महत्वपूर्ण हैं। डबल्यूटीएसए का लक्ष्य गोबल स्टैंडर्ड पर काम कर रहा है। वही इंडिया मोबाइल कांग्रेस की बड़ी भूमिका सर्विसेज के साथ जुड़ी हुई है। आज भारत में गुणवत्ता सर्विसेज बहुत ज्यादा फोकस कर रहे है। हम मानक पर भी विशेष ध्यान दे रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत टेलीकॉम और उससे जुड़े तकनीक के मामले में दुनिया के सबसे हैपनिंग देशों में से एक है। भारत में जहां 120 करोड़ मोबाइल फोन उपयोगकर्ता हैं, 95 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, जहां दुनिया के 40 प्रतिशत से अधिक वास्तविक समय में डिजिटल ट्रांसेक्शन होते हैं, जहां डिजिटल कनेक्टिविटी को अंतिम–मील वितरण प्रभावी उपकरण के रूप में दिखाया 21वीं सदी में भारत की मोबाइल और टेलीकॉम यात्रा पूरे विश्व के लिए स्टडी का विषय है। दुनिया में मोबाइल और टेलीकॉम को एक सुविधा के रूप में देखा गया, लेकिन भारत का मॉडल कुछ अलग रहा है। भारत में हमने टेलीकॉम को सिर्फ कनेक्टिविटी का नहीं, बल्कि इक्विटी और ऑपर्च्यूनिटी का माध्यम बनाया। ये माध्यम आज गांव और शहर, अमीर और गरीब के बीच की दूरी को मिटाने में मदद कर रहा है। गया है, वहां पर चर्चा वैश्विक दूरसंचार की स्थिति और भविष्य पर चर्चा वैश्विक गुड का माध्यम बनेगा। भारत ने पिछले 10 साल में जितना ऑप्टिकल फाइबर बिछाया है, उसकी लंबाई धरती और चंद्रमा के बीच की दूरी से भी 8 गुना अधिक है। 2 साल पहले मोबाइल कांग्रेस में ही हमने 5जी लॉन्च किया था, आज भारत का करीब–करीब हर जिला 5जी सर्विस से जुड़ चुका है। आज भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा 5जी मार्केट बन चुका है और अब हम 6जी टेकन्लॉजी पर भी तेजी से काम कर रहे हैं।

बहराइच हिंसा मृतक के परिजनों ने सीएम से किया मुलाकात

● बीजेपी नेता ने कहा, पहले दूसरे समुदाय के लोगों ने की थी पत्थरबाजी

लखनऊ, एजेंसी। रविवार को बहराइच में हुए हिंसा के मामले में मारे गए युवक रामगोपाल मिश्रा के परिजनों से सीएम योगी मुलाकात किए हैं। महसी विधायक सुरेश्वर सिंह व पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा परशुराम कुशवाहा की मौजूदगी में परिवार के लोगों ने सीएम को आपबीती बताई। वहीं, मुलाकात के बाद बाहर निकले परशुराम कुशवाहा ने कहा सीएम योगी ने कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बहराइच में पहले दूसरे समुदाय के लोगों ने माहौल बिगाड़ा था। पहले उनके तरफ से ही पत्थर बाजी की गई जिससे मूर्ति प्रतिमा का हाथ टूट गया। इसी के बाद गुस्से में युवक ने छत पर चढ़कर झंडा उतारा था। सीएम योगी से मुलाकात पर मृतक के पिता कैलाश नाथ ने कहा कि उनके बेटे की गोली मारकर हत्या की गई है। उनका पूरा परिवार उजड़ गया है। उन्होंने दोषियों को कड़ी सजा दिए जाने की मांग की। मृतक युवके पिता कैलाश नाथ ने बताया है कि हमारे बेटे को गोली से मारा गया है। जिन लोगों ने उसे मारा है उन्हें भी सजा दी जाए। उन्होंने हमारे पूरे परिवार को बर्बाद कर दिया। उन्हें भी सजा मिली चाहिए। सीएम योगी ने इस मामले में को संज्ञान में लेते हुए पीड़ित परिवार को मिलने के लिए बुलाया है। इस दौरान वो परिवार से पूरे घटनाक्रम की जानकारी लेंगे। वहीं दूसरी तरफ बहराइच की घटना पर उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि बहराइच में स्थिति नियंत्रण में है। घटना के उच्चस्तरीय जांच के निर्देश दिए गए हैं। जांच रिपोर्ट आने पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित होगी, यदि पीछे से कोई षड्यंत्र किया गया।

महाराष्ट्र में 20 नवम्बर, झारखंड में 13 और 20 नवम्बर को चुनाव

नयी दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव एक चरण में 20 नवम्बर को और झारखंड में दो चरणों में 13 तथा 20 नवम्बर को कराये जायेंगे जबकि दोनों राज्यों में मतों की गिनती 23 नवम्बर को होगी। पन्द्रह राज्यों की 47 विधानसभा सीटों और केरल की वायनाड संसदीय सीट पर उपचुनाव 13 नवम्बर को होगा।

महाराष्ट्र की नांदेड़ संसदीय सीट और एक अन्य विधानसभा सीट पर उप चुनाव 20 नवम्बर को होगा। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने मंगलवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा करते हुए मतदाताओं विशेष रूप से शहरी मतदाताओं से लोकतंत्र के उत्सव में बढचढ कर हिस्सा लेने की पुरजोर अपील की। उनके साथ चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधु भी थे। इसी के साथ इन दोनों राज्यों में आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू हो गयी है। श्री कुमार ने बताया कि महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों के लिए चुनाव की अधिसूचना 22 अक्टूबर को जारी की जायेगी और नामांकन 29 अक्टूबर तक दायर किये जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 30 अक्टूबर को होगी और नाम 4 नवम्बर तक वापस लिये जा सकेंगे। राज्य में एक चरण में चुनाव 20 नवम्बर को होगा।

एक्जिट पोल पर आत्मचिंतन जरूरी, ईवीएम पूरी तरह सुरक्षित : चुनाव आयोग

नयी दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने कहा है कि एक्जिट पोल पर आत्मचिंतन तथा जिम्मेदारी से काम करने की जरूरत है और इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर जो सवाल उठते हैं वे आधारहीन हैं और ईवीएम पूरी तरह से सुरक्षित है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए तारीखों का एलान करते हुए मंगलवार को यहां निर्वाचन सदन में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एक्जिट पोल का कोई मतलब नहीं है और मतगणना के दिन जो रुझान मतगणना आरंभ होने के साथ ही आने शुरु होते हैं वे एक्जिट पोल को सही ठहराने का प्रयास है। उनका कहना था कि हाल के चुनाव में जो रुझान टीवी चौनलों ने शुरु में दिये वे पूरी तरह से आधारहीन थे। उन्होंने कहा कि जब आयोग की वेबसाइट पर साढ़े नौ बजे पहला रुझान दिया जाता है तो टीवी चौनल मतगणना शुरु होने के 10–15 मिनट के भीतर ही कैसे रुझान देना शुरु करते हैं। बाद में वे रुझान भी एक्जिट पोल की तरह ही गलत साबित होते हैं। हो सकता है कि संवाददाता मतदान केंद्र के आसपास खबरें जुटाते हों लेकिन उनकी खबरें जल्द ही एकदम उलट कैसे जाती हैं इसका मतलब है कि चौनल ऐसा करके सिर्फ अपने एक्जिट पोल को सही ठहराने का प्रयास करते हैं। आयोग ने कहा कि एक्जिट पोल के लिए आत्मचिंतन की जरूरत है। हो सकता है कि एक्जिट पोल देने वाली एजेंसियों के लोग हों लेकिन इसके परिणाम देने से पहले यह सोचने की जरूरत है कि कहीं परिणाम गलत निकल गये तो फिर नैतिकता का क्या होगा। इस बारे में चिंतन करने की जरूरत है। ईवीएम से संबंधित सवाल पर उन्होंने कहा कि इसमें कहीं कोई गड़बड़ी नहीं है। ईवीएम की तुलना पेजर से करने पर उन्होंने कहा कि ईवीएम कहीं भी पेजर की तरह बाहर कनेक्टेड नहीं होता है। ईवीएम से किसी भी स्तर पर छेड़छाड नहीं की जा सकती है ।

मुर्मु ने अल्जीरिया के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता की

अल्जीयर्स, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को यहां अल्जीरिया के राष्ट्रपति अब्देलमजीद तेब्बौने के साथ द्विपक्षीय बैठक में दोनों देशों के संबंधों को मजबूत बनाए पर चर्चा की। राष्ट्रपति भवन सचिवालय ने मंगलवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि राष्ट्रपति ने एल मौराडिया पैलेस का दौरा किया, जहां उन्होंने अल्जीरिया के राष्ट्रपति के साथ भारत–अल्जीरिया संबंधों को और अधिक ऊंचे स्तर पर ले जाने के तरीकों पर चर्चा की, जिसमें व्यापार और निवेश पर विशेष ध्यान दिया गया। श्रीमती मुर्मु ने अल्जीरिया के लिए भारत के निरंतर समर्थन और अफ्रीका के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की। दोनों राष्ट्रपतियों ने प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता का नेतृत्व किया और प्रेस के समक्ष बयान जारी किए। इससे पहले श्रीमती मुर्मु ने अल्जीयर्स में मकाम इचाहिद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और अल्जीरियाई स्वतंत्रता संग्राम में प्राण न्यौछावर करने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अल्जीरिया के मुक्ति संघर्ष की याद में मौदजाहिद के राष्ट्रीय संग्रहालय का भी दौरा किया। राष्ट्रपति ने बाद में अल्जीरियाई आर्थिक नवीनीकरण परिषद और भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अल्जीरियाई–भारतीय आर्थिक मंच को संबोधित किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि भारत–अल्जीरिया संबंधों को आगे बढ़ाना हमारे साझा मूल्यों, समान चुनौतियों और आपसी विश्वास पर आधारित है। राष्ट्रपति ने कहा कि अल्जीरिया की तीव्र वृद्धि और विस्तारित अर्थव्यवस्था विभिन्न क्षेत्रों में कई अवसर प्रदान करती है। उन्होंने भारतीय कंपनियों से आग्रह किया कि वे अल्जीरियाई अर्थव्यवस्था द्वारा पेश किए जाने वाले अवसरों से जुड़े रहें और निवेश करें। राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि भारत और अल्जीरिया के बीच कुल व्यापार 1.7 अरब अमेरिकी डॉलर का है, हालांकि, आर्थिक संबंध पूरी तरह से क्षमता का दोहन नहीं कर पाए हैं। उन्होंने ऊर्जा, निर्माण, ऑटोमोबाइल, उर्वरक और फार्मास्यूटिकल्स में हमारे चल रहे सहयोग को मजबूत करने और एक उज्जवल भविष्य के लिए नए व्यापार और निवेश पहलों की पहचान करने की आवश्यकता पर बल दिया।

भारत ने अमरीका से 31 प्रीडेटर ड्रोन की खरीद के समझौते पर हस्ताक्षर किये

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत ने सशस्त्र सेनाओं की मारक क्षमता बढाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए अमरीका से 31 प्रीडेटर एम क्यू –9 बी ड्रोन की खरीद के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले महीने अमरीका यात्रा के दौरान राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ इस खरीद सौदे के बारे में बात की थी। इस यात्रा के एक महीने के अंदर इस समझौते पर हस्ताक्षर किये गये हैं। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि रक्षा मंत्रालय ने यह समझौता अमरीकी सरकार के साथ किया है और ये ड्रोन तीनों सेनाओं के लिए खरीदे जा रहे हैं। मंत्रालय के अनुसार यहां एक कार्यक्रम में इस खरीद समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने भी मौजूद थे। इस मौके पर इन ड्रोन की भारत में लॉजिस्टिक , मरम्मत तथा रख रखाव के लिए एटोमिक ग्लोबल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ भी एक समझौते पर हस्ताक्षर किये गये।

युवा कांग्रेस का ‘नौकरी दो, नशा नहीं’ आंदोलन आज से

नयी दिल्ली, एजेंसी। युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु छिब ने कहा है कि युवाओं को नौकरी देने का वादा करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने रोजगार देने की बजाय युवाओं को नशाखोरी के दलदल में धकेलने का काम किया है और इसके खिलाफ उनका संगठन बुधवार से देशव्यापी आंदोलन शुरू करेगा। श्री छिब ने मंगलवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी सरकार ने बेरोजगारी बढ़ाने और

नशाखोरी फैलाने का काम किया है और इसके खिलाफ उनका संगठन बुधवार को दिल्ली से देशव्यापी आंदोलन शुरू करेगा जो हर राज्य, जिले तथा गांव–गांव तक जाएगा। उनका कहना था कि आज देश का युवा खतरे में है और उन्हें बेरोजगारी के जरिए नशे के दलदल में धकेला जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश का युवा ड्रग्स की महामारी की चपेट में आ रहा है। विदेशों से भारत में ड्रग्स की खेप पहुंचाई जा रही है। देश के युवक को नौकरी चाहिए नशा नहीं है और इसको लेकर उनका संगठन आंदोलन कर रहा है। उन्हें विश्वास है कि उनका आंदोलन सरकार पर दबाव बनाएगा और देश में युवाओं को नशाखोरी की चपेट में आने से बचाने में उनकी यह पहल महत्वपूर्ण साबित होगी। युवा कांगेस अध्यक्ष ने कहा "श्री मोदी का वादा था कि हर साल 2 करोड़ युवाओं को नौकरियां देंगे, विदेशों से काला धन वापस लाएंगे, लेकिन ये वादे तो पूरे नहीं हुए– इसके उलट नौकरियों की जगह युवाओं को नशा मिला है।

तमिलनाडु के कई हिस्सों में बारिश, वर्षाजनित घटनाओं में चार की मौत

चेन्नई, एजेंसी। दक्षिण–पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने कम दबाव का क्षेत्र अभी उसी क्षेत्र में बना हुआ है और कल उत्तरी तमिलनाडु की ओर बढ़ने की संभावना है। वहीं कल शाम

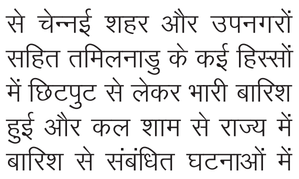

से चेन्नई शहर और उपनगरों सहित तमिलनाडु के कई हिस्सों में छिटपुट से लेकर भारी बारिश हुई और कल शाम से राज्य में बारिश से संबंधित घटनाओं में चार लोगों की मौत हुयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ये मौतें बिजली गिरने और दीवार गिरने के कारण हुईं और राज्य सरकार ने सोमवार देर रात ही पीड़ितों के लिए मुआवजे की घोषणा की। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार सुबह कहा कि इस प्रणाली पश्चिम–उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है और आज तक दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों में एक स्पष्ट रूप से चिह्नित कम दबाव का क्षेत्र बन जाएगा। इसके बाद इसमें तब्दीली होने और उत्तर तमिलनाडु, पुड्डुचेरी और इससे सटे दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों की ओर पश्चिम–उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। इसके प्रभाव में तमिलनाडु और पुड्डुचेरी में आज अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होगी, जबकि कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होगी,

राजनाथ सिंह ने तेलंगाना में नौसेना रडार स्टेशन की रखी आधारशिला

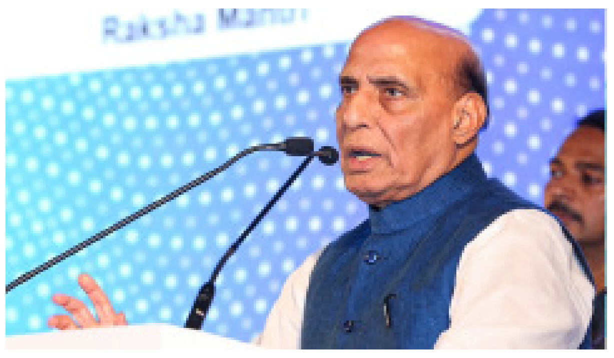

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को जिले के दमगुडेम वन क्षेत्र में भारतीय नौसेना के बहुत कम आवृत्ति (वीएलएफ) रडार स्टेशन की आधारशिला रखी। उन्होंने इस दौरान कहा कि नौसेना के वीएलएफ स्टेशन में जब परिचालन शुरू हो जाएगा तो यह समुद्री बलों के लिए महत्वपूर्ण होगा। यह देश में नौसेना का दूसरा वीएलएफ संचार ट्रांसमिशन स्टेशन है। तेलंगाना सरकार की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में आईएनएस कट्टाबोम्मन रडार स्टेशन अपनी तरह का पहला स्टेशन था। इस अवसर पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। राजनाथ ने कहा कि मैं, इस वीएलएफ स्टेशन के निर्माण से जुड़े हुए सभी हितधारक को अपनी ओर से बधाई देता हूँ। इसके साथ ही मैं तेलंगाना सरकार का, विशेषकर तेलंगाना के मुख्यमंत्री, ए रेवंत रेड्डी जी का भी उनके विशेष योगदान के लिए धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि जब यह वीएलएफ स्टेशन अपने निर्माण के बाद कार्यात्मक हो जाएगा तो, यह हमारे समुद्री सेना के लिए अनेक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। मेरी नज़र में, इस प्रकार के उच्च तकनीक बुनियादी ढांचा सिर्फ एक सैन्य प्रतिष्ठान ही नहीं होते, बल्कि इनका रणनीतिक भूमिका इन्हें राष्ट्रीय महत्व का दर्जा देता है। राजनाथ ने कहा कि चाहे वह साधारण परिस्थिति हो या फिर असाधारण परिस्थिति, हर स्थिति में किसीभी कमांड सेंटर का उससे जुड़े हुए सभी लोगों के बीच सूचना के निर्बाध प्रवाह का होना बहुत जरूरी है। और इस प्रकार के संचार के लिए ऐसे केंद्र बहुत ही महत्वपूर्ण हो जाते हैं।

अक्टूबर से BJP का सक्रिय सदस्यता अभियान, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को मिला टारगेट

प्रयागराज। फूलपुर में होने वाले उपचुनाव को देखते हुए भाजपा एक बार फिर एक्टिव मोड में है। सदस्यता अभियान के साथ साथ अब सक्रिय सदस्यता अभियान पर फोकस किया जा रहा है। 16 अक्टूबर से भाजपा का सक्रिय सदस्यता अभियान शुरू हो रहा है। इसमें 100 नए लोगों को जोड़ने वालों को भाजपा का सक्रिय सदस्य बना दिया जाएगा। इसके लिए महानगर अध्यक्ष महेश चंद्र श्रीवास्तव खुद पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रहे हैं। सक्रिय सदस्यता के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि सक्रिय सदस्य बनने हेतु सिविल लाइन स्थित पार्टी कार्यालय से सक्रिय सदस्यता फार्म 16 अक्टूबर से प्राप्त होगा। कार्यकर्ता को नमो एप के माध्यम से 100 रु की धनराशि जमा कर सक्रिय सदस्यता का फार्म भरकर मंडल अध्यक्ष के पास जमा करना होगा। मंडल अध्यक्ष सक्रिय सदस्यता रजिस्टर बनायेंगे। ये काम 31 अक्टूबर तक चलेगा। इसके बाद 1 से 4 नवंबर तक सक्रिय सदस्यता सत्यापन का काम होगा और उसके बाद सक्रिय सदस्यता क्रमांक दिया जाएगा जिसकी सूची पार्टी कार्यालय पर चस्पा की जाएगी। महानगर प्रभारी ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व द्वारा 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को मिले कुल वोट का 75 प्रतिशत सदस्य बनाने का जो लक्ष्य दिया गया था उसे प्रयागराज महानगर के कार्यकर्ताओं ने पूरा किया है इसके लिए कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं। संबोधन के दौरान महेश चंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि सक्रिय सदस्यता के समय इस बात का ध्यान रखा जाए कि पार्टी के प्रति कई वर्षों से समर्पित पुराने कार्यकर्ता प्राथमिकता में रखे जाएं और साथ ही नए कार्यकर्ताओं को भी सक्रिय सदस्य बनाया जाए। हर जाती वर्ग का प्रतिनिधित्व होना चाहिए पार्टी के सक्रिय सदस्यता में। जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि शीर्ष नेतृत्व ने यह तय किया है कि जो पुराने मूल कार्यकर्ताओं ने ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से 50 सदस्य भी बनाए हैं उन्हें भी सक्रिय सदस्य बनने का अवसर मिलना चाहिए। जिन्होंने अपना लक्ष्य अभी तक प्राप्त नहीं किया है वे अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लें। इससे पहले बैठक की अध्यक्षता करते हुए महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र ने कहा कि महानगर के कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है प्रयागराज महानगर प्रदेश नेतृत्व द्वारा दिए गए सदस्यता लक्ष्य को पाने के करीब है। अनीता त्रिपाठी को प्रयागराज महानगर का सक्रिय सदस्यता संयोजक बनाया गया है।

पुणे में गैंगरेप का आरोपी प्रयागराज से गिरफ्तार: STF के ऑपरेशन के बाद पकड़ा गया, पेशी के बाद ले जाया गया महाराष्ट्र

प्रयागराज। प्रयागराज STF यूनिट ने रेप के आरोपी को अरेस्ट कर लिया। मामला महाराष्ट्र के पुणे में गैंगरेप से जुड़ा है। प्रयागराज का आरोपी फरार चल रहा था। पुणे की पुलिस ने एसटीएफ प्रयागराज से संपर्क साधा इसके लिए बाद आरोपी की गिरफ्तारी हो सकी। पुणे पुलिस और एसटीएफ ने छापेमारी कर प्रयागराज के यमुनापार के औद्योगिक नगर क्षेत्र से उसे पकड़ लिया। पुणे पुलिस न्यायालय में पेशी के बाद आरोपी को रिमांड पर अपने साथ ले गई। आरोपी आदर्श नगर मतंरवाड़ी पुणे का निवासी बताया गया है। एसटीएफ प्रयागराज के सीओ शैलेश प्रताप सिंह ने बताया कि तीन अक्तूबर की देर रात पुणे के बोपदेव घाटी टेबल प्वाइंट के समीप एक युवती अपने मित्र के साथ बैठी थी। इसी बीच आरोपी शोएब उर्फ अख्तर उर्फ बाबू शेख ने अपने दो अन्य साथी सोमनाथ यादव व चंद्रकुमार कन्नौजिया के साथ मिलकर युवती के साथ गैंगरेप किया। पुणे की कोढ़वा थाने की पुलिस ने 11 अक्तूबर को आरोपी चंद्रकुमार को गिरफ्तार किया था। शोएब ट्रेन से प्रयागराज भाग आया था। कई दिनों तक प्रयागराज में जगह बदल–बदल कर रह रहा था। एसटीएफ निरीक्षक जयप्रकाश राय और पुणे पुलिस के एपीआई अमोल रसाड़ आदि ने आरोपी शोएब को औद्योगिक थाना क्षेत्र के डेज मेडिकल तिराहा के समीप गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह तीन अक्तूबर की रात्रि बोपदेव घाटी टेबल प्वाइंट में एक महिला अपने दोस्त के साथ बैठी थी उसी समय आरोपित अपने साथी चन्द्र कुमार, सोमनाथ यादव के साथ मिलकर महिला व उसके दोसत से मारपीट करतेहुए उनको नीचे ले गये थे। जहां लड़की के दोस्त को बेल्ट एवं उसके पहले हुए कपड़ेसे बांध दिये और लउत्रकी से सामूहिक दुष्कर्म करके भाग गये थे। घटना के बाद से ही आरोपित छिपकर रह रहा था। घटना के कुछ दिन बाद ही चन्द्र कुमार को पुलिस ने पकड़ लिया था।

कथन... तथ्य और सबूत अलग-अलग हैं तो एक ही घटना में दर्ज हो सकती है दूसरी एफआईआरय हाईकोर्ट का अहम आदेश

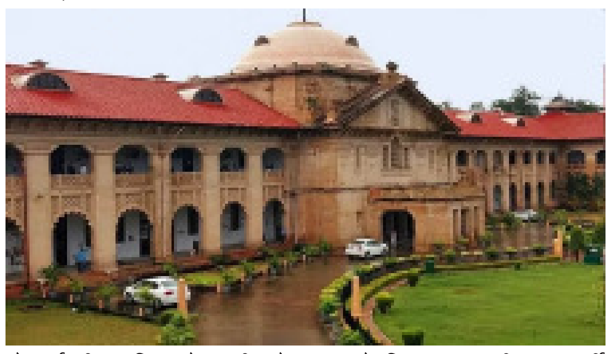

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक ही घटना में दूसरी एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। कहा है कि एक ही घटना में दो एफआईआर नहीं दर्ज की जा सकती है। लेकिन उसी के दो भिन्न कथन, तथ्य व सबूत के खुलासों के साथ शिकायत की गई हो तो दूसरी एफआईआर दर्ज की जा सकती है। कोर्ट ने सीजेएम मथुरा को याची की धारा 156(3) की अर्जी पर नया आदेश पारित करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने यह आदेश संगीता मिश्रा की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। मथुरा निवासी याची संगीता मिश्रा के पति की मृत्यु हो गई थी। पुलिस ने याची को ही आरोपी बनाते हुए चार्जशीट दाखिल कर जेल भेज दिया। याची जेल से बाहर आई तो उसने धारा 156(3) के तहत कोर्ट में हत्या की उसी घटना की एफआईआर दर्ज करने के लिए अर्जी दी। मजिस्ट्रेट ने अर्जी को निरस्त कर दिया। इसके खिलाफ पुनरीक्षण अर्जी भी निरस्त कर दी गई। याची ने दोनों आदेशों को हाईकोर्ट में चुनौती दी।

याची के वकील ने दलील दी कि याची व उसके पति की जानकारी के बगैर याची के ससुर ने अपनी संपत्ति का बेटों में बंटवारा कर दिया। इस पर भाइयों में विवाद हुआ। तीन मई 2020 को पति के भाई आए और उन्हें अपने साथ ले गए। इसके बाद याची के पति लौटे नहीं। याची ने लापता होने की थाने में शिकायत भी की। पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। बाद में पुलिस ने याची को ही पति की हत्या का आरोपी बनाकर एफआईआर दर्ज कर दी। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा एक ही घटना की दो एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकती। लेकिन, उसी घटना के दो भिन्न कथन, तथ्य व सबूत के खुलासों के साथ शिकायत की गई हो तो एक ही घटना की दूसरी एफआईआर दर्ज की जा सकती है।

न्याय नगर में लगेगी पूर्व सांसद कमला बहुगुणा की प्रतिमा

प्रयागराज। पूर्व सांसद स्वर्गीय कमला बहुगुणा के जन्म शताब्दी समारोह पर आदमकद कांस्य प्रतिमा लगाई जाएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 30 दिसंबर को इसका अनावरण करेंगी। इसके पहले बनारस हिंदू विवि और अलीगढ़ मुस्लिम विवि समेत यूपी और उत्तराखंड के कई विश्वविद्यालयों में 15 से 30 अक्तूबर तक वाद–विवाद प्रतियोगिताएं होंगी। सोमवार को कमला बहुगुणा की बेटी व पूर्व सांसद डॉ. रीता बहुगुणा जोशी ने पत्रकारों को बताया कि न्याय मार्ग स्थित बहुगुणा मार्केट में यह प्रतिमा लगेगी। मार्केट के ही पास डॉ. रीता जोशी के भाई शेखर बहुगुणा भी रहते हैं। बकौल डॉ. जोशी, अखिल भारतीय हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति यूपी व उत्तराखंड के 40 विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में 'क्या भारत में महिलाओं को आरक्षण देने से वास्तविक समानता हासिल की जा सकती है' विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता कराएगी। शहर में यह प्रतियोगिता 25 अक्तूबर को यूनाइटेड यूनिवर्सिटी, एडीसी, सीएमपी, एसएस खन्ना गर्ल्स डिग्री कॉलेज में होगी, जबकि हेमवती नंदन बहुगुणा पीजी कॉलेज और ठाकुर हरनारायण डिग्री कॉलेज में 28 अक्तूबर को। लखनऊ में नवंबर के दूसरे सप्ताह में प्रतियोगिता का फाइनल होगा, जहां प्रथम पुरस्कार विजेता को 51 हजार, द्वितीय को 31 और तृतीय स्थान पर आने वाले को 21 हजार रुपये दिए जाएंगे। डॉ. जोशी ने बताया कि कमला बहुगुणा पर कवि कुमार विश्वास की टीम ने एक गीत भी लयबद्ध किया है, जिसे जल्द रिलीज किया जाएगा।

छात्रों का असेसमेंट न करने पर 159 विद्यालयों को नोटिस

निपुण भारत मिशन के अंतर्गत बच्चों का असेसमेंट करने में लापरवाही बरती जा रही है। इस महीने अब तक जिले के 159 परिषदीय विद्यालयों में बच्चों का असेसमेंट नहीं किया गया है। इसलिए इन विद्यालयों के हेडमास्टर और सभी शिक्षकों को बीएसए ने नोटिस जारी किया है। उनसे दो दिन में स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया है। निपुण लक्ष्य एप में कक्षा और विषय के अनुसार दक्षता–आधारित सवाल पूछे जाते हैं। इस एप का प्रयोग छात्रों की सीखने की प्रगति का आंकलन करने के लिए किया जाता है। इसका मकसद तीन से नौ साल तक के बच्चों की सीखने की जरूरतों को पूरा करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का यह हिस्सा है। दिसंबर 2024 तक निपुण भारत का लक्ष्य प्राप्त करना है। फिर भी इसके प्रति शिक्षक उदासीन हैं। पिछले इसी लापरवाही के लिए 192 विद्यालयों के शिक्षकों और हेडमास्टरों को नोटिस दिया गया था। निपुण लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रत्येक ब्लॉक के 10 विद्यालय को चुना गया है। बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि निपुण लक्ष्य एप पर छात्रों का असेसमेंट करने में लापरवारी बरतने वाले शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई होगी। दो दिन में संतोषजनक जवाब न मिलने पर प्रतिकूल प्रविष्टि दी जाएगी।

बंद मकान का ताला तोड़कर जेवरात व नकदी चोरी

प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र के ज्ञानकुंज झलवा में एक बंद मकान का ताला तोड़कर हजारों रुपये नकदी व सोने–चांदी के जेवरात चोरी का मामला सामने आया। घटना सात अक्तूबर की बताई जा रही है। पीड़ित परिवार बीते एक माह से कोलकाता गया था। वहां से लौटने के बाद थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। ज्ञानकुंज झलवा निवासी प्रमोद कुमार सपरिवार एक माह पहले कोलकाता में अपने पुत्र के यहां गए थे। मकान पर ताला बंद होने का लाभ उठाते हुए चोरों ने घटना को अंजाम दिया। सात अक्तूबर की सुबह प्रमोद कुमार को मोबाइल से मकान के ताला टूटा होने की सूचना मिली। प्रमोद कुमार आनन–फानन में दस अक्तूबर को ट्रेन पकड़कर प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने बताया कि घर के अंदर सामान बिखरा और आलमारी व बक्सा टूटा मिला। चोरों ने 74 हजार रुपये नकदी, सोने की एक सिकड़ी, चार चूड़ी, दो बाली, तीन अंगूठी, चांदी की चार पायल व अन्य गहने के अलावा कपड़े व अन्य सामान गायब कर दिया।

सराफा व्यवसायी की सड़क हादसे में मौत

प्रयागराज। स्थानीय थाना क्षेत्र के प्रयागराज गोरखपुर राजमार्ग पर पटेलनगर थाना झूंसी जनपद प्रयागराज के पास सोमवार को देर शाम तेज रफ्तार डंपर से आभूषण कारोबारी 45 वर्षीय ओम प्रकाश सोनी के स्कूटी में धक्का लग गया। टक्कर इतना जबरदस्त था कि सराफा कारोबारी की मौके पर ही मौत हो गयी। घटना की जानकारी होते ही परिवार में कोहराम मच गया। मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के नडार निवासी ओमप्रकाश सोनी कई सालों से झूंसी के रामलीला पार्क के पास मकान बनाकर रहते थे। उनकी झूंसी की न्यायनगर कॉलोनी में आभूषण की दुकान है। उन्हें किडनी की समस्या थी। इसकी दवा लेने वह अक्सर सहसों एक चिकित्सक के पास जाते थे। सोमवार सुबह वह स्कूटी से दवा लेने सहसों गए थे। घर लौट रहे थे पटेलनगर बाजार के पास पीछे से तेज रफ्तार डंपर ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी।

दुष्कर्म पीड़िता से शादी करने की शर्त पर हाईकोर्ट ने आरोपी को दी जमानत

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के आरोपी को पीड़िता से शादी करने की शर्त पर जमानत दे दी है। कहा कि जेल से रिहा होने के तीन महीने के भीतर पीड़िता से शादी करेगा और उसकी नवजात बच्ची की देखभाल करेगा। साथ ही छह महीने के भीतर बच्ची के नाम पर दो लाख रुपये भी जमा करेगा। न्यायमूर्ति कृष्ण पहल की एकलपीठ ने अभिषेक की याचिका पर यह आदेश दिया है। सहारनपुर के थाना चिलकाना में अभिषेक पर पीड़िता के पिता ने पॉक्सो व दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया कि उसकी बेटी से शादी का झूठा वादा करके उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए, जिससे पीड़िता गर्भवती हो गई। इसके बाद आरोपी ने शादी करने से इन्कार कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वहीं, जमानत के लिए हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की। याची के वकील ने कोर्ट को बताया कि मेडिकल रिपोर्ट से पीड़िता की उम्र 18 वर्ष है। साथ ही सीआरपीसी की धारा 164 में पीड़िता ने बयान में उस पर किसी भी प्रकार के बल प्रयोग से इन्कार किया है। इसके अलावा याची के वकील ने यह भी बताया कि याची पीड़िता की जिम्मेदारी लेने और उससे शादी करने को तैयार है। कोर्ट ने साक्ष्यों का अवलोकन करने व दलीलों को सुनने के बाद कहा कि शोषण के वास्तविक मामलों और सहमति से बने संबंधों के मामलों के बीच अंतर करना एक बड़ी चुनौती है। न्याय के लिए सूक्ष्म दृष्टिकोण और सावधानी पूर्वक न्यायिक विचार की आवश्यकता होती है। किसी व्यक्ति को तब तक निर्दोष माना जाता है, जब तक कि उसका अपराध सिद्ध न हो जाए।

विभागीय गलती से अधिक वेतन की वसूली आदेश पर हाईकोर्ट नाराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गलत वेतन निर्धारण के कारण कर्मचारियों को हुए अधिक वेतन भुगतान की वसूली के बार–बार आदेश दिए जाने पर नाराजगी जाहिर की है। कोर्ट ने प्रयागराज के राजकीय मुद्रणालय के निदेशक और मुख्य वित्त अधिकारी से एक हफ्ते में हलफनामा तलब कर पूछा है कि आखिर बार–बार अधिकारी ऐसा आदेश क्यों पारित कर रहे है। क्यों न ऐसे आदेशों को रद्द कर सरकार पर हर्जाना लगाया जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की अदालत ने राजकीय मुद्रणालय में तैनात रहे प्रधान सहायक राजेंद्र कुमार की याचिका पर अधिवक्ता राजवेंद्र सिंह को सुन कर दिया है। याची राजेंद्र 31 जनवरी 2024 को प्रधान सहायक के पद से सेवानिवृत हुए। इसके बाद राजकीय मुद्रणालय के मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी ने 15 फरवरी 24 व निदेशक ने 15 मई 2024 को आदेश जारी कर याची की ग्रेच्युटी से 5,41,8230 रुपये वसूली करने का आदेश पारित कर दिया। इसके खिलाफ याची ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। दलील थी कि विभाग की ओर से गलत वेतन निर्धारण के कारण याची को पात्रता से अधिक भुगतान किया गया। वेतन निर्धारण में याची की कोई भूमिका नहीं है। याची के सेवानिवृत्ति लाभ से धनराशि की वसूली सुप्रीम कोर्ट के रफीक मसीह मामले में निधारित विधि व्यवस्था के खिलाफ है। कोर्ट ने सरकार व राजकीय मुद्रणालय के अधिकारियों से एक हफ्ते में जवाबी हलफनामा तलब करते हुए पूछा है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद भी लगातार अधिकारी इस तरह के वसूली आदेश क्यों जारी कर रहे है।

चौड़ीकरण के लिए मानसरोवर के आसपास तोड़े जाएंगे 36 मकानों के पोर्टिको

मानसरोवर टॉकीज के आसपास की सड़क 18 मीटर चौड़ी की जाएगी। इसके दायरे में 36 मकान आ रहे हैं। उन सभी को नोटिस दे दिया गया है। अगर वह खुद से नहीं तोड़ते तो पीडीए मकानों के पोर्टिको को तोड़ेगा।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) को शहर की 41 सड़कों के चौड़ीकरण का जिम्मा दिया गया है। अधिकतर के चौड़ीकरण के लिए मकानों को तोड़ा जा चुका है। बहादुरगंज में मनोकामनापूर्ति मंदिर के आसपास चौड़ीकरण का काम अब तक शुरू ही नहीं हुआ है। वह क्षेत्र व्यावसायिक है। अभी वहां पर करीब 12 मीटर चौड़ी सड़क है। उस सड़क को 18 मीटर करना है। यह चौड़ीकरण जीरो रोड पर मानसरोवर के पास से शुरू होकर लक्ष्मण मार्केट होते हुए सुलाकी चौराहा, मनोकामनापूर्ति, जीरो रोड, रामभवन चौराहे तक होना है। इस मार्ग पर प्रतिदिन जाम लगता है। पिछले दिनों पीडीए वीसी डॉ.अमित पाल शर्मा ने उस मार्ग का निरीक्षण किया था। उनके निर्देश पर चौड़ीकरण के दायरे में आने वाले 36 मकानों को नोटिस दिया गया है। वहां के व्यापारियों को कहा गया कि वह खुद से मकान तोड़ दें। न तोड़ने पर पीडीए तोड़ेगा। वहीं, इससे व्यापारियों में आक्रोश है।

लक्ष्मण मार्केट के व्यापारियों ने बताया कि उन्हें अप्रैल में नोटिस दिया गया था। उसका उन्होंने जवाब दिया। इस मामले की पीडीए में सुनवाई हुई। फिर उन नोटिस को 11 जुलाई को रद्द करके दुबारा सुनवाई का आदेश हुआ। 30 सितंबर को व्यापारियों ने वीसी से मुलाकात की। व्यापारियों ने बताया कि उनका पोर्टिको 1973 का बना हुआ है, वह वैध है। वीसी ने आश्वासन दिया था कि फिर से सुनवाई होगी। सुनवाई के लिए नौ अक्तूबर का नोटिस तीन अक्तूबर को जारी हुआ। उसे व्यापारियों को आठ अक्तूबर को दिया गया। अब तोड़ने का नोटिस जारी कर दिया गया। इससे व्यापारियों में आक्रोश है। उन्होंने बताया कि सुलाकी चौराहे से हटिया चौराहे तक 12 मीटर चौड़ीकरण का प्रस्ताव था।

पड़ोसी पर दुष्कर्म का आरोप लगा फंदे से झूली चार बच्चों की मां

कोरांव थाना क्षेत्र के एक गांव में सोमवार सुबह पड़ोसी पर दुष्कर्म का आरोप लगाकर चार बच्चों की मां फंदे से झूल गई। उसके पास से एक सुसाइड नोट बरामद किया गया है। कोरांव निवासी एक व्यक्ति ने अपनी बेटी की शादी वर्ष 2015 में की थी। 30 वर्षीय महिला सोमवार सुबह घर पर अपनी सात माह की बच्ची के साथ अकेली थी। उसके तीन बच्चे और हैं। पति घर से थोड़ी दूर काम करने गया था। जब वह 11 बजे के करीब घर भोजन करने पहुंचा तो पत्नी छत में लगे पंखे से फंदा लगाकर लटक रही थी। मृतका के पास से एक सुसाइड नोट भी मिला है। उसमें यह लिखा है कि मेरे पति की कोई गलती नहीं है। मैं खुद जान दे रही हूं। सुसाइड नोट में पड़ोस के ही रहने वाले एक युवक पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। थाना प्रभारी नितेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि जांच की जा रही है।

एपीओ भर्ती परीक्षा के कटऑफ और प्राप्तांक जारी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने सहायक अभियोजन अधिकारी (एपीओ) परीक्षा–2022 से संबंधित अभ्यर्थियों के प्राप्तांक एवं श्रेणीवार कटऑफ अंक सोमवार को जारी कर दिए। भर्ती का अंतिम चयन परिणाम 21 जून, 2023 को घोषित किया गया था। आयोग के उपसचिव सुनील कुमार के अनुसार, प्राप्तांक एवं कटऑफ अंक 21 अक्तूबर तक आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध रहेंगे। अभ्यर्थियों को वेबसाइट पर प्रदर्शित फॉर्मेट पर वांछित सूचनाओं को भरना होगा। इसके बाद बाद पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त होगा, जिसे कंप्यूटर स्क्रीन पर निर्धारित कोष्ठक में भरकर प्राप्तांक प्राप्त किया जा सकता है। जिन अभ्यर्थियों को ओटीपी प्राप्त नहीं हो रहा है और ओटीपी के लिए वह अपना मोबाइल नंबर परिवर्तित करना चाहते हैं, उन्हें इस आशय का प्रार्थनापत्र आयोग में देना होगा। नंबर परिवर्तित होने पर अभ्यर्थियों को एसएमएस के माध्यम से इसकी सूचना दी जाएगी और इसके बाद अभ्यर्थी प्राप्तांक देखने अथवा प्राप्त करने के लिए अपने परिवर्तित मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त कर सकेंगे।

वरिष्ठ भाजपा नेता बसंत लाल आजाद का निधन:

प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल में ली अंतिम सांस, दिल की बीमारी थे पीड़ित

प्रयागराज। प्रयागराज में भाजपा के वरिष्ठ नेता और हिंदू वादी संगठनों से जुड़े रहे बसंत लाल आजाद का सोमवार की देर रात लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह करीब 75वर्ष के थे। मंगलवार को दारागंज घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके निधन से पार्टी के कार्यकर्ताओं में शोक है। वह दिल की बीमारी से पीड़ित थे। पिछले वर्ष ही उन्होंने बाई पास सर्जरी करायी थी। वरिष्ठ भाजपा नेता रहे बसंत लाल आजाद लंबे समय तक श्री जगन्नाथ यात्रा महोत्सव और श्री पथरचट्घ्टी रामलीला कमेट के उपाध्यक्ष पद पर रहे हैं। वह पार्षद भी रह चुके हैं । उनके परिवार में एक बेटा है। बसंत लाल आजाद का राजस्थान के जड़िया परिवार से नाता है। जड़िया परिवार शहर की प्रमुख रामलीला कमेटी में शामिल श्री पथरचट्टरी रामलीला कमेटी में चांदी और सोने से जड़ित चौकियों को तैयार करता है। इसके अलावा बसंत लाल आजाद भातीय जनता पार्टी की शुरूआत से जुड़े रहे। उनकी पहचान हिंदू वादी नेता रूप में होत है। 1974 के चुनाव में उन्होंने अपनी राजनीतिक जीवन की शुरूआत की थी।

अलोपीबाग में बंदरों का आतंक, तीन को काटा

प्रयागराज। संगम किनारे अलोपाबाग में बंदरों के हमले से क्षेत्र के लोग दहशत में हैं। बंदरों का झुंड पहुंचते ही घरों की खिड़कियां, दरवाजे बंद हो जा रहे हैं। सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है। बंदरों को भगाने के लिए लोग पटाखे बजा रहे हैं। क्षेत्र में एक सप्ताह में लगभग तीन दर्जन बदरों का झुंड आ रहा है। पिछले कुछ दिनों से बंदर घरों में घुसकर सामान नष्ट करने लगे। इसके बाद लोगों पर हमला शुरू कर दिया। इसकी शिकायत नगर निगम से की गई, लेकिन आजतक बंदरों की धरपकड़ नहीं की गई। नगर निगम कह रहा है कि बंदर वन्य जीव हैं और इनको पकड़ने की जिम्मेदारी वन विभाग की है। अलोपीबाग के पूर्व पार्षद कमलेश सिंह ने बताया कि बंदरों ने अब तक तीन लोगों को काटा है। बंदरों के कारण बच्चे स्कूल जाने से डर रहे हैं। ढिंगवस कोठी और मटियारा गांव में सबसे अधिक दहशत है। बंदरों को पकड़ने की मांग के सिलसिले में सोमवार को मंडलायुक्त घ्विजय विश्वास पंत से मिलने गए, लेकिन उनसे मुलाकात नहीं हो पाई।

प्रयागराज से अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू करने की लगाई गुहार

प्रयागराज। एयरपोर्ट प्रशासन ने प्रयागराज को अंतर्राष्ट्रीय हवाई सेवा से जोड़ने के लिए जिलाधिकारी से मांग की है। प्रयागराज एयरपोर्ट के निदेशक फर्रूख अहसन ने यहां से अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू करने के लिए जिलाधिकारी को पत्र लिखा है। 11 अक्तूबर को भेजे गए पत्र में निदेशक की ओर से महाकुम्भ के मद्देनजर एयरपोर्ट पर बढ़ रही सुविधाओं का हवाला दिया गया है। नया टर्मिनल बनने के बाद एयरपोर्ट की सुविधा अंतरराष्ट्रीय स्तर की होने का दावा किया गया है। इसलिए प्रयागराज एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू की जा सकती है। एयरपोर्ट प्रशासन का उद्देश्य प्रयागराज और नेपाल, श्रीलंका और मध्य पूर्व भारत के देशों के बीच उड़ान शुरू का है। एयरपोर्ट प्रशासन का मानना है कि प्रयागराज और आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में लोग इन देशों की हवाई यात्रा करते हैं। यहां से उड़ान शुरू होने के बाद लोगों को अन्य शहरों में जाने से राहत मिलेगी और समय बचेगा। निदेशक ने बताया कि महाकुम्भ के मद्देनजर एयरपोर्ट का विस्तार हो रहा है। सुविधाएं बढ़ रही हैं। त्योहार के दौरान घरेलू उड़ानों की संख्या बढ़ेगी। कई नए शहरों के लिए उड़ान शुरू होगी। एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधा उपलब्ध होगी तो भारत के आसपास देशों के लिए यहां से उड़ान शुरू की जा सकती है। जिलाधिकारी को भेजे गए पत्र की प्रति डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन को भी भेजी गई है।

हाथों की स्वच्छता को आदत बनाएं, बीमारी से बचें

प्रयागराज। स्वच्छता और स्वास्थ्य एक दूसरे के पूरक हैं। शरीर के किसी भाग की साफ–सफाई पर्याप्त रूप से न होने से बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। कोरोना काल में हाथ धुलने की जो सीख मिली थी धीरे–धीरे लोग अब लगभग भूल चुके हैं। डॉक्टरों के अनुसार अपने ही नहीं, दूसरों के हाथ धुले होने पर अधिक विश्वास करना भी बीमारी को बुलाना है। हाथों के अधिक गंदा होने पर खाने–पीने से टायफाइड,डायरिया व सांस संबंधी बीमारी होने का खतरा रहता है। इसलिए बीमारी से बचने के लिए हाथ की स्वच्छता को आदत बनानी चाहिए। संक्रामक बीमारी के सर्विलांस अधिकारी डॉ. वरुण क्वात्रा ने बताया कि हाथ को किस तरह स्वच्छ रखें इसे सीखना एक कला है।

‘विश्वनाथः महिला श्रद्धालुओं द्वारा सिंदूर खेला के साथ चार दिवसीय शारदीय दुर्गा पूजा संपन्न’

‘सभी पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं ने एक दूसरे गालों सिंदूर लगाकर व मिष्ठान खिलाकर माँ से आशीर्वाद माँगी’

’विश्वनाथ, असम, स राज्यों के अन्य हिस्सों के तरह विश्वनाथ जिला में भी विजया दशमी के शुभ अवसर पर भक्तों ने नम आँखों से मॉ दुर्गा को बह्मपुत्र नद में विसर्जन दिया ।सर्वप्रथम पुजारी के मंत्र उच्चारण और विधि विधान द्वारा कल दिशमी पूजा संपन्न किया । पुजारी ने वेद की मंत्र उच्चारण से माँ दुर्गा के प्रतिबिंब को पात्र में गंगा जल समाहित में दर्शन करवाकर विसर्जित किया । इधर आज सभी पूजा पंडाल में माँ को अंतिम दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की तांता लगा रहा ।विश्वनाथ चारिआलि के बहु बजार में स्थित शिवाजी संघ के दुर्गा पूजा समिति के पंडाल में विजया दशमी के शुभ क्षण में भक्तों की भीड़ उमड़ी । महिलाएं माँ दुर्गा के श्रीचरणों में आशीर्वाद लेते हुए माँ दुर्गा के मुंह में विभिन्न मिठाई खिलाते हुए दिखाई दी। इधर श्रद्धालुओं ने माँ दुर्गा के समीप अस्त्र पूजन की ।साथ ही माँ के गालों से पान के द्वारा आशीष ली ।श्रद्धालुओं के चेहरे पूजा उत्साह की रौनक

’माँ दुर्गा के मूर्ति विश्वनाथ घाट में विसर्जित’

छायी रही। इधर विद्यार्थी भी अपने पुस्तक को मां दुर्गा के श्रीचरणों में रखकर प्रणाम किया ।महिलाएं एक दूसरे महिलाओं के गालों में सिंदूर खेलते हुए नजर आए। सभी महिलाएं ढाक के धुन में नृत्य की ।तत्पश्चात् विश्वनाथ चारिआलि के दुर्गा पूजा पंडालों के माँ दुर्गा की प्रतिमा को भक्तों द्वारा नृत्य करते हुए गुप्त काशी विश्वनाथ घाट में विसर्जन दिया गया ।विश्वनाथ चारिआलि शहर के प्रायः 60 दुर्गा पूजा पंडाल के प्रतिमा को नम आँखों से विदाई दिया गया ।साथ ही विश्वनाथ जिले के ढोली, पाभोई, बरगांग, बिहाली, हेलेम, गहपुर, सोतिया आदि स्थानों में दुर्गा पूजा की रौनक छाई रही। जिले के सभी पूजा पंडाल में जातीय स्वरूप तथा स्वभाषा का ज्ञान अंकन किया गया ।प्रायः पूजा समिति द्वारा समाज में एक जागरूकता लाने की चेष्टा की गई। इध ार पाभोई रोड के शिवाजी संघ द्वारा केंद्र सरकार द्वारा असमीया भाषा को शास्त्रीय भाषा प्रदान करने का गौरवमय उपलब्धि को साझा करने के उद्देश्य अपने पूजा पंडाल में स्वभाषा के स्वर वर्ण, व्यंजन वर्ण, मात्रा और संख्या का अंकित किया ।यह पूजा पंडाल बुजुर्ग, सामाजिक व्यक्तियों , शिक्षाविद तथा बच्चों में आकर्षण का केंद्र बिंदु बना। सभी भक्त इस पंडाल में फोटोशूट लेते नजर आए’।

कुम्भ मेला के दृष्टिगत निर्माण कार्यो तथा साफ-सफाई का किया निरीक्षण

प्रयागराज सनगर आयुक्त नगर निगम प्रयागराज, श्री चन्द्रमोहन गर्ग द्वारा आज दिनांक 14 अक्टूबर 2024 को आगामी कुम्भ मेला के दृष्टिगत शहर के विभिन्न स्थलों पर मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के अन्तर्गत हो रहे निर्माण कार्यों तथा नगर की सफाई व्यवस्था के कार्यो का निरीक्षण किया गया। नगर आयुक्त द्वारा शम्भू नाथ इंजीनियरिंग कालेज आफ इन्टीटयूट, राजरूपपुर रोशनबाग साफ–सफाई के निरीक्षण के दौरान कई जगहों पर कूडे के ढेर तथा नालिया में भरी हुई पायी गयी जिससे नगर आयुक्त द्वारा रोष व्यक्त करतें हुए कड़ी फटकार लगायी गयी इसी के साथ ही उक्त क्षेत्र की साफ–सफाई हेतु सफाई एवं

खाद्य निरीक्षक को तत्काल करने के निर्देश दिये गये, तथा सम्पूर्ण क्षेत्र की सफाई कराते हुए फोटोग्राफ प्रेषित करने के निर्देश दिये गये। कुम्भ मेला के निर्माण कार्यो के दौरान नगर आयुक्त द्वारा पीपल गॉव में मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के अन्तर्गत हो रहे सड़क निर्माण के दौरान नगर आयुक्त द्वारा मुख्य अभिन्ता को पत्रावली की जॉच के निर्देश दिये गये। सूबेदारगंज में मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के अन्तर्गत हो रहे सड़क निर्माण के दौरान कार्य आरम्भ ही नही हुआ था नगर आयुक्त द्वारा कार्य शीघ्र आरम्भ कराते हुए ससमय पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये गये इसके साथ ही निर्देश दिये गये कि सभी मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के अन्तर्गत कार्य करने वाले फर्म/ठेकेदारों से प्रतिदिन कार्य की प्रगति हेतु जूम मिटिंग करें तथा दो घंटे कुम्भ के कार्यो की जॉच कर भौतिक सत्यापन कर अद्यतन स्थिति से अवगत कराये जाने के निर्देश दिये गये। इसी प्रकार नगर आयुक्त द्वारा सी0एन0डी0 वेस्ट द्वारा निर्मित ब्रिक्स का निरीक्षण किया गया जिसकी क्वालिटी सही नही पायी गयी नगर आयुक्त द्वारा मुख्य अभियन्ता को जॉच कर रिपोर्ट प्रेषित कर सुधार किये जाने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही गंगोत्री नगर नैनी तथा डांडी महेवा में मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के अन्तर्गत हो रहे सड़क निर्माण के दौरान कार्य शीघ्र आरम्भ कराते हुए मैनपावर बढ़ाकर ससमय पूर्ण कराये जाने के निर्देश नगर आयुक्त द्वारा दिये गये।

आरेडिका के केन्द्रीय विद्यालय में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

रायबरेली सस्वच्छता पखवाडे के तहत आरेडिका चिकित्सालय द्वारा आरेडिका परिसर में स्थित केन्द्रीय विद्यालय में छात्र–छात्राओं के लिए एक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 787 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण डॉ. मनीष कुमार मंडल

चिकित्सा अधिकारी (चाइल्ड स्पेशलिस्ट), डॉ. आकांक्षा (दंत चिकित्सक) एवं पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा किया गया । स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान 74 बच्चों में आंखों की समस्या, 5 में पीलिया, 2 में ह्दय संबंध ाी, 1 में किडनी और 13 में कान, नाक, गले की समस्याएं पाई गई । सभी बच्चों के माता–पिता को सलाह दी गई कि वे चिकित्सालय आकर आगे के परीक्षण करवाएं । डॉ. भूमिका सिंह, आहार विशेषज्ञ, ने कक्षा 9 से 12 तक की छात्राओं के लिए आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया पर आधारित एक व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं के साथ आहार और अन्य स्वास्थ्य मुद्दों से संबंधित उनके प्रश्नों पर चर्चा की । स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य छात्रों के स्वास्थ्य की स्थिति की जाँच करना और उन्हें स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता प्रदान करना था ।

जनपद में यूरिया, डीएपी, एनपीके, एमओपी एवं एसएसपी उर्वरक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध

प्रतापगढ़। जिला कृषि अधिकारी अशोक कुमार ने बताया है कि जनपद में यूरिया, डीएपी, एनपीके, एमओपी एवं एसएसपी उर्वरकों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता है। जनपद में किसी भी प्रकार के उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। जनपद में डीएपी, एनपीके एवं यूरिया सहित सभी प्रकार के उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता के साथ ही इनकी निर्धारित दरों पर विक्री की जा रही है। दिनांक 10.10.2024 को जनपद में यूरिया 17918 मै0टन, डीएपी 3577 मै0टन, एनपीके 4011 मै0टन, एमओपी 1235 मै0टन एवं एसएसपी 475 मै0टन की उपलब्धता है। वर्तमान में रबी अभियान के तहत कृषक भाईयों द्वारा दलहन, तिलहन आदि फसलों हेतु डीएपी से बेहतर विकल्प के रूप में एनपीके खाद का प्रयोग करना चाहिये, इसके साथ ही किसान भाई एसएसपी का प्रयोग अधिक से अधिक करें जिससे भूमि को अन्य तत्वों के साथ सल्फर भी मिल सके। जनपद के सभी उर्वरक विक्रेताओं को उर्वरक विक्री पर अनिवार्य रूप से कैश मेमो देने व पीओएस मशीन से उर्वरक विक्री के साथ–साथ स्टॉक रजिस्टर को अपडेट रखने के निर्देश दिये गये है एवं सभी कृषकों को पीओएस मशीन से उनकी जोत के अनुसार उर्वरक देने हेतु निर्देशित किया गया है। कृषक भाई सन्तुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करें और अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार के उर्वरकों का भण्डार न करें।

‘मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र ईश्वर शरण मे एन ई पी ओरिएंटेशन कार्यक्रम का समापन’

प्रयागराज समालवीय मिशन टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर ईश्वर शरण पीजी कॉलेज प्रयागराज द्वारा आज दिनांक 15.10.2024 को यूजीसी एवं शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की महत्वाकांक्षी शिक्षक प्रशिक्षण परियोजना एन ई पी ओरियंटेशन एवं सेंसटाइजेशन कार्यक्रम के समापन सत्र के मुख्य वक्ता डॉ रमेश चंदर शर्मा इग्नू नई दिल्ली ने आज कार्यक्रम की थीम सूचना एवं संचार तकनीक के समकालीन पहलू कृत्रिम बुद्धि उसके उपयोग एवं उसके प्रभाव पर विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि आईसीटी हम सबके लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन है और नई शिक्षा नीति में इसकी समावेशी एवं सुदूर पहुंच के कारण इसकी भूमिका नितांत उपयोगी हो जाती है इसके माध्यम से हम देश दुनिया की सीमाओं को पार कर समय और दूरी के गैप को खत्म कर सुदूर क्षेत्र तक आसानी से वंचितों को समावेशित कर सकते हैं और शिक्षक प्रशिक्षण एवं सीखने की प्रक्रिया को आसान बना सकते हैं। इस आठ दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत विगत दिवस में अलग–अलग विषय पर दो तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। प्रथम दिवस उद्घाटन सत्र के अध्यक्षता एमएमटीटी केंद्र के निदेशक एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर आनंद शंकर सिंह ने की थी उद्घाटन सत्र की निरंतरता में ही प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रथम सत्र आरंभ हुआ जो हॉलिस्टिक और मल्टीडिसीप्लिनरी एजुकेशन थीम पर आधारित था। जिसमें प्रथम सत्र के वक्ता के रूप में प्रो. रजनीश मिश्र जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली ने ष्समग्र एवं अंतर्वैषयिक शिक्षा पद्धति और समकालीन परिदृश्यष पर अपना उद्बोधन देते हुए बताया कि यह थीम वैश्विक

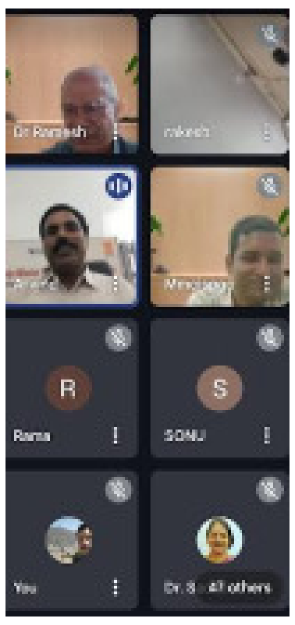

संपर्क, समग्र दृष्टिकोण एवं बहुविषयक दृष्टिकोण पर आध ाारित है। द्वितीय सत्र में डॉ अमित सोनी, इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी अमरकंटक ने ष्न्यू एथनोग्राफिक मेथड फॉर हॉलिस्टिक रिसर्च इन सोशल साइंसष पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम के द्वितीय दिवस की थीम एकेडमिक लीडरशिप गवर्नेंस एंड मैनेजमेंट पर प्रथम सत्र में प्रो जीडी शर्मा भूतपूर्व सचिव यूजीसी नई दिल्ली ने एकेडमिक नेतृत्व एवं शासन तथा द्वितीय सत्र में डॉ निशी पांडे लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ ने उपरोक्त विषय पर गंभीरता पूर्वक चर्चा की। कार्यक्रम के तृतीय दिवस की थीम हायर एजुकेशन एंड सोसाइटी पर प्रथम सत्र में प्रो रजनी सिंह आईआईटी आईएसएम धनबाद ने तथा द्वितीय सत्र में प्रो प्रोफेसर सुभीनी सराफ डायरेक्टर नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च रायबरेली ने नेतृत्व प्रशासन एवं प्रबंधन पर विस्तृत गहन एवं सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के चतुर्थ दिवस हायर एजुकेशन एंड सोसाइटी पर प्रथम सत्र में प्रो एच के सिंह अध्यक्ष वाणिज्य विभाग बनारस हिंदू विश्वविद्यालय ने तथा द्वितीय सत्र में प्रोफेसर आर जी कोठारी, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय वडोदरा ने विस्तृत चर्चा करते हुए शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन पर केंद्रित पंचवर्षीय योजनाएं एवं उनके आगामी क्रियान्वयन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए भविष्य के भारत की तस्वीर पेश की। कार्यक्रम के पंचम दिवस की थीम रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर प्रथम सत्र में डॉ आशीष कुमार अवधिया इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी नई दिल्ली एवं द्वितीय सत्र में प्रोफेसर पी के मिश्रा आईआईटी बी एच यू ने उच्च शिक्षा शोध एवं विकास के समकालीन तकनीकी एवं मानक से संबंधित विविध पहलुओं पर बारीकी से गंभीरता पूर्वक चर्चा की। कार्यक्रम के षष्ठम दिवस की थीम स्किल डेवलपमेंट पर प्रथम सत्र में डॉ रजनीश कुमार आईआईटी बी एच यू ने तथा द्वितीय सत्र में प्रो विशाल सूद, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय ने कौशल विकास के विविध पहलुओं पर बारीकी से चर्चा करते हुए भारत में कृषि क्षेत्र एवं ग्रामीण युवाओं में कौशल विकास से संबंधी विविध ा कार्यक्रमों एवं उनके क्रियान्वयन तथा व्यवहारिक उपयोग संबंधी विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की ।कार्यक्रम के सातवें दिन की थीम स्टूडेंट डायवर्सिटी एंड इंक्लूसिव एजुकेशन पर प्रथम सत्र में प्रो प्रदन्य वाक्पेन्जन,एसएनडीटी वुमन यूनिवर्सिटी मुंबई ने तथा द्वितीय सत्र में प्रो शिखा कपूर, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय नई दिल्ली ने समकालीन वैश्विक परिवेश में छात्र विविधता एवं समावेशी शिक्षा से संबंधित विगत शिक्षा नीतियों एवं वर्तमान नई शिक्षा नीति 2020 के दिशा निर्देश के अनुकूल व्यावहारिक पहलुओं को सुपरिचित उदाहरण के साथ शिक्षक प्रशिक्षण एवं सीखने के संदर्भ में शिक्षक छात्र के बीच उपयोग करने हेतु रेखांकित किया। आज कार्यक्रम का आठवां दिवस इनफॉरमेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी पर केंद्रित रहा आज के प्रथम सत्र की वक्ता डॉ दीपक बिसला, डॉ भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय नई दिल्ली ने ष्आईसीटी का टीचिंग एंड लर्निंगष विषय पर अंतरू क्रियात्मक सत्र के माध यम से शिक्षक प्रशिक्षण एवं व्याख्यान में सूचना तकनीक की उपयोगिता पर व्यावहारिक ढंग से बहुत ही सरलतम रूप में आईसीटी के उपयोग हेतु आभासी मंच पर डेमोंसट्रेशन किया। सत्र काफी रोचक, व्यावहारिक एवं ज्ञानवर्धक रहा। समापन सत्र में अतिथियों प्रतिभागियों एवं उपस्थित जनों का आभार ज्ञापन ओरिएंटेशन प्रोग्राम के संयोजक डॉ शिव जी वर्मा ने किया तथा कार्यक्रम मे संचालन एवं आठ दिवसीय ओरिएंटेशन एवं सेंसटाइजेशन कार्यक्रम का रिपोर्ट प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम के सहसंयोजक डॉ अरविंद कुमार मिश्र ने किया ।इस अवसर पर विविध राज्यों, विविध विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, शोध ा संस्थानों से ऑनलाइन माध्यम से लगभग 101 शिक्षक प्रतिभागी आभासी मंच पर उपस्थित रहे ।

सपा के लिए कांग्रेस का साथ रखना क्यों बना मजबूरी

लखनऊ, एजेंसी। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भले ही कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी की उपेक्षा की हो, लेकिन सपा ने बड़ा दिल दिखाते हुए गठबंधन बरकरार रखने की बात कही है। क्योंकि सपा को आगे आने वाले चुनाव में वोट बैंक साधने के लिए कांग्रेस की जरूरत पड़ सकती है। इस कारण यह गठबंधन मजबूरी बन चुका है। राजनीतिक जानकारों की मानें तो मध्यप्रदेश के बाद हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने सपा को न तो एक सीट दी ना ही इनसे कोई सलाह ली। हालांकि सपा की तरफ से बार बार दावा किया जा रहा था कि उसके बगैर लिए चुनाव में कांग्रेस को नुकसान उठाना पड़ेगा। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को यहां की 90 विधानसभा सीटों में से 37 सीटों पर जीत मिली। बहुमत के आंकड़े से कांग्रेस काफी पीछे रह गई। सपा की हरियाणा विंग की तरफ से दावा किया गया कि अगर गठबंधन के साथ चुनाव लड़ा जाता तो शायद आज यहां गठबंधन की सरकार में होती। लेकिन मध्य प्रदेश के बाद हरियाणा में उपेक्षा के कारण कांग्रेस का यह दशा हुई है। इंडिया गठबंधन के रणनीतिकार भी कहते हैं कि हरियाणा चुनाव में अगर विपक्षी दल एक साथ मिलकर लड़ते तो शायद तस्वीर कुछ अलग होती। क्योंकि 13 सीटों में अगर अंतर को देखेंगे तो वह पांच हजार से कम का है ।वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक वीरेंद्र सिंह रावत का कहना है कि लोकसभा चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन में शामिल सभी दल एक दूसरे के पूरक हैं। जहां जो मजबूत है उसके सहारे के बगैर कांग्रेस नहीं चल सकती है। इसका सीधा उदाहरण हरियाणा चुनाव में देखने को मिला है। गठबंधन बचाने के लिए कांग्रेस को बड़ा दिल दिखाना पड़ेगा। क्योंकि अगर बात यूपी की करें तो यहां लोकसभा चुनाव में जिस प्रकार से मुस्लिम और दलित वोट कांग्रेस को मिला है। उसके पीछे का कारण गठबंधन ही है। इस बात को सपा और कांग्रेस के लोग जानते हैं। इसी कारण हरियाणा के परिणाम आने के बाद अखिलेश यादव कह चुके हैं कि इंडिया गठबंधन बरकरार रहेगा और इसे बनाए रखने की जिम्मेदारी समाजवादी उठाएंगे। रावत का कहना हैं कि दोनों दलों को एक दूसरे का वोट बैंक बचाने के लिए गठबंधन की जरूरत है। सपा प्रवक्ता अशोक यादव का कहना है कि सपा जब किसी से गठबंधन करती है तो चार कदम पीछे भी हटने को तैयार रखते हैं। हरियाणा में कांग्रेस ने भले ही सीट न दी हो लेकिन सपा ने कोई उम्मीदवार नहीं उतारा था। लोकसभा चुनाव के दौरान भी गठबंधन में कई उतार चढ़ाव आए लेकिन गठबंध ान में कोई आंच नहीं आई। संविध ाान बचाने और पीडीए के आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए गठबंधन की जरूरत दोनों दलों को है। जैसा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष पहले ही कह चुके हैं यह बरकरार रहेगा।

कवि सम्मेलन का आयोजन

प्रयागराज सश्री बाल रामलीला कमेटी ट्रस्ट महुवारी, नैनी, प्रयागराज के तत्वाधान में राष्ट्रीय कवि संगम के बैनर तले कवि

सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि किशोर नाथ तिवारी जी राइस मिलर्स लखनऊ, आयोजक श्री रामलीला कमेटी अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह जी संयोजक के रूप मे कवि निखिलेश मालवीय जी ने समृद्ध टीम के साथ कार्यक्रम का आगाज किया जिसमें राष्ट्रीय कवि संगम काशी प्रांत प्रभारी सुश्री प्रतिमा मिश्रा जी, प्रचार मंत्री संतोष समर्थ शुक्ला जी, जिला संयोजक (भदोही) अमित कुमार शर्मा जी, बबलू सिंह जी, कृष्णकांत कामिल जी हास्य के हस्ताक्षर नजर इलाहाबादी जी राधा शुक्ला जी पीयूष मिश्रा जी के संचालन में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

राज्य महिला आयोग की सदस्य 16 अक्टूबर लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में करेंगी जनसुनवाई

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य गीता विश्वकर्मा द्वारा 16 अक्टूबर 2024 को लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण गृह (गेस्ट हाउस) प्रतापगढ़ में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने हेतु उनकी समस्याओं को सुना जाएगा। जनसुनवाई कार्यक्रम पूर्वान्ह 11 बजे से शुरू होगा और इसमें महिलाओं को उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। उसके उपरांत महिला बंदी गृह, बालिकाध्महिला गृह का निरीक्षण कार्यक्रम प्रस्तावित है।

सैनिक बन्धु की बैठक 17 अक्टूबर को

प्रतापगढ़। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कमाण्डर दिनेश कुमार मिश्र (अ0प्रा0) ने बताया है कि सैनिक बन्ध ु की बैठक का आयोजन दिनांक 17 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट सभागार में दोपहर 12 बजे से किया जायेगा जिसमें जिले के समस्त पूर्व सैनिकध्उनकी विधवायेंध्आश्रितध्अपनी समस्याओं के साथ उपस्थित हो सकते है।

आलू बीज विक्रय की दर में सभी प्रजातियों पर 500 रूपये की छूट प्रदान की गयी

प्रतापगढ़। जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा ने जनपद के कृषकों को सूचित किया है कि जनपद को 200 कुन्तल आलू बीज का आवंटन प्राप्त हुआ है। निदेशक उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उ0प्र0 लखनऊ के द्वारा सभी प्रजातियों की विक्रय दर पर रूपये 500 प्रति कुन्तल की छूट प्रदान की गयी है। आलू बीज का वितरण प्रथम आवक–प्रथम पावक के आधार पर किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिये कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी कटरा रोड प्रतापगढ़ पर किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर सकते है। उन्होने आलू बीज की 04 प्रजातियों में संशोधित दर के सम्बन्ध में बताया है कि कुफरी आनन्द आधारित प्रथम सीड साइज रूपये 2995 प्रति कुन्तल, कुफरी ख्याति आध ाारित प्रथम ओवर साइज रूपये 2270 प्रति कुन्तल, कुफरी पुखराज आधारित प्रथम सीड साइज रूपये 2995 प्रति कुन्तल व कुफरी पुखराज आधारित प्रथम ओवर साइज रूपये 2270 प्रति कुन्तल निर्धारित की गयी है।

दोहे

प्रेम भरी बोली भली, सबका हो उपकार।
खीझ भरी भाषा करे, खुद अपना अपकार।।१।।

नींद चौन की सोइए, लेकर प्रभु का नाम।
रोग, दोष सब कुछ मिटे, हों अच्छे परिणाम।।२।।

विषधर से मत राखिए, दूध सरीखा मान।
केवल शिवजी कर सकें, अहि भुजंग रस पान।।३।।

लोभ मोह भटका रहे, सब लोगों की राह।
जितना मिलता जा रहा, बढ़ती उतनी चाह।।४।।

क्रोध अग्नि ज्वाला सदृश, कहता है इतिहास।
नेह नीर पीना सदा, जीवन में हो रास।।५।।

बाल भाव में हरि बसे, दनुज करे उत्पात।
बालक मस्ती झूमता, रक्षक उसके तात।।६।।

नदिया गहरी भाव की, ढूँढे सदा नदीश।
उसका स्वामी बस रहा, बनकरके जगदीश।।७।।

सुख में भले न जाइए, दुख में पहुँचो साथ।
यह मानव का धर्म है, यही भला है पाथ।।८।।

थोड़े में सुख लीजिए, जीवे घर संसार।
माया ठगिनी जानिए, कबहुँ न पावे पार।।९।।

धन वैभव रहि जात है, काया चले न साथ।
ईश नाम जप ले मनुज, पुण्य नवै जब माथ।।१०।।

रोम रोम में राम हैं, लखे न पापी लोग।
कामी को तो चाहिए, केवल जीवन भोग।।११।।

पंडित राकेश मालवीय मुस्कान
प्रयागराज–१६

सम्पादकीय.......

बांग्लादेश में असुरक्षा

हाल के दिनों में बांग्लादेश के हिंदू मंदिरों में हुए हमलों की भारत द्वारा कड़ी निंदा सरकार की किंकर्तव्यविमूढ़ता की स्थिति को ही दर्शाता है। बीते अगस्त में शुरू हुई राजनीतिक उथल–पुथल के बीच शेख हसीना का प्रधानमंत्री पद से हटना और भारत आने के बाद बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियों को असामाजिक तत्वों व कट्टरपंथियों द्वारा हवा दी गई। जिसमें तमाम स्थानों पर अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाने पर लिया गया। जिसके बाद नई दिल्ली ने बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के बारे में बार–बार चिंता व्यक्त की है। यह विडंबना ही है कि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता व कार्यवाहक रूप में सरकार के मुखिया का दायित्व निभा रहे मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल में हिंदू पहचान के प्रतीकों को निशाना बनाया जाना बदस्तूर जारी है। इसमें धार्मिक स्थलों और पूजा पंडालों को अपवित्र करने, तोड़फोड़ और डकैती जैसी कई घटनाएं सामने आई हैं। इस पर यूनुस की दलील रही है कि ये हमले राजनीति से प्रेरित हैं और इन्हें सांप्रदायिक नहीं कहा जा सकता। वहीं बार–बार धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करने के आश्वासन और समय–समय पर मंदिरों में जाने के बावजूद बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के प्रति नफरत के एक व्यवस्थित पैटर्न को पनपने दिया जा रहा है। बीच–बीच में सरकारी नौकरियों व शिक्षकों की भूमिका निभा रहे अल्पसंख्यकों को जबरन इस्तीफा देने के लिये दबाव बनाने के आरोप भी लगते रहे हैं। यहां तक कि मशहूर जेशोश्वरी मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बांग्लादेश यात्रा के दौरान दिए गए मुकुट के चोरी हो जाने का समाचार पिछले दिनों आया। निस्संदेह, अल्पसंख्यकों के खिलाफ यह मुहिम गंभीर चिंता का विषय है। निश्चित रूप से, यह भारत–बांग्लादेश के संबंधों के लिये परीक्षा का समय है। मुकदमा चलाने के लिये शेख हसीना को वापस भेजने की मांग पर नई दिल्ली की चुप्पी ने ढाका में हलचल बढ़ाई है। दरअसल, बदले हालात में वहां एक वर्ग का उदय हुआ है जो चाहता है कि बांग्लादेश अपने शक्तिशाली पड़ोसी से आंख में आंख डालकर बात करे। हालांकि, यह धारणा गलत व अव्यावहारिक है। फिर भी दोनों पक्षों को बढ़ते अविश्वास की खाई को पाटने में किसी भी देरी को टालना होगा। राजनयिक चौनलों को पूरी ताकत के साथ सक्रिय करने की जरूरत है। जिसके लिये जरूरत पड़ने पर सख्ती दिखाने की भी जरूरत होगी। ऐसे में पश्चिमी देशों के पोस्टर बॉय बने सत्ता की बागडोर संभालने वाले मोहम्मद यूनुस की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। वहीं दूसरी ओर फिलहाल बांग्लादेश में जो हो रहा है, वह भारत के लिये भी एक सबक है। अपने देश में भी अल्पसंख्यकों के साथ किसी तरह का भेदभाव व दुराग्रह उतना ही अनुचित होगा, जैसा बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ किया जा रहा है। यह भेदभावपूर्ण व्यवहार व बेतुकापन खत्म होना चाहिए। यह भारत की वसुधैव कुटुम्बकमद्द् की नीति के विरुद्ध होगा। दूसरे शब्दों में यह भारत और भारतीयता का अपमान भी होगा। हर देश में अल्पसंख्यकों के साथ सहिष्णुता का व्यवहार वक्त की पहली जरूरत है।

लोकतंत्र पर शिकंजे का शिकार हुए जी एन साईबाबा

डॉ. दीपक पाचपोर

डॉक्टरों द्वारा 90 प्रतिशत विकलांग घोषित किये जा चुके साईबाबा पर आरोप लगाया गया था कि उनके माओवादियों से सम्बन्ध हैं और वे राज्य के खिलाफ षडयंत्र में भागीदार रहे हैं।

लगभग 10 वर्षों तक अन्याय एवं क्रूरता के शिकार हुए कवि, मानवाधिकार कार्यकर्ता तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत पूर्व प्रोफेसर जीएन साईबाबा का शनिवार की रात हैदराबाद के एनआईएमएस अस्पताल में निधन हो गया। इसी अस्पताल में उनकी 5 दिनों पहले गॉल ब्लैडर की सर्जरी हुई थी। वे ठीक हो रहे थे लेकिन दो दिन पहले उन्हें फिर से तकलीफ होने पर उन्हें वापस भर्ती किया गया था। शनिवार को इलाज के दौरान उनका रक्तचाप गिर गया तथा उन्हें दिल का दौरा पड़ा जो उनके लिये जानलेवा साबित हुआ। उल्लेखनीय है कि तकरीबन 10 वर्षों तक राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का आरोप झेलने वाले साईबाबा को इसी वर्ष मार्च में बॉम्बे हाईकोर्ट ने आरोपों से बरी किया था। उनके मामले को इस रूप में याद किया जायेगा कि देश में किस हद तक किसी निर्दोष को प्रताड़ित किया जा सकता है– खासकर यदि वह पीड़ितों के पक्ष में बोलने–लिखने वाला हो। उनकी मौत ने यह भी साबित किया है कि भारत में कानूनों का न केवल राज्य द्वारा बेजा इस्तेमाल होता है बल्कि न्यायिक प्रक्रिया सजा से भी बदतर है। जेल में उनके साथ हुई यातना इतने भर से बयां की जा सकती है कि बचपन से ही व्हीलचेयर पर रहने वाले साईबाबा को नागपुर की अंडा सेल में इस प्रकार से रखा गया कि उन्हें दिन में दो बार नित्यक्रिया एवं स्नान के लिये भी दो लोगों की मदद लेनी पड़ती थी। इस जेल की क्षमता तो 200 कैदियों की थी परन्तु उसमें 1300 लोग थे जहां करवट बदलने के लिये भी परस्पर झगड़े होते थे। डॉक्टरों द्वारा 90 प्रतिशत विकलांग घोषित किये जा चुके साईबाबा पर आरोप लगाया गया था कि उनके माओवादियों से सम्बन्ध हैं और वे राज्य के खिलाफ षडयंत्र में भागीदार रहे हैं। 2013 में हेम मिश्रा, महेश तिर्की, पी नरोटे, प्रशांत राही आदि को माओवादी षड़यंत्र के अंतर्गत गढ़चिरोली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। साईबाबा को भी इसमें शामिल होने के आरोप में पकड़ा गया था। उनके पास से नक्सली साहित्य की बरामदगी को आधार बनाकर उन्हें गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद की कहानी भारतीय न्यायपालिका की दुर्दशा की कहानी है जो इस बात पर मुहर लगाने के लिये काफी है कि कैसे एक बार कानूनी मकड़जाल में फंस गये किसी निरीह के जीवन को सरकार कितनी आसानी से बर्बाद कर सकती है। पुलिस ने आरोप लगाया कि साईबाबा ने ही आरोपियों की माओवादियों से मुलाकात कराई थी। पुलिस उन्हें लगभग किडनैप करके ले गयी थी जब वे चीफ एक्जामिनर के तौर पर परीक्षा केन्द्र की ओर जाने के लिये अपने घर से खुद की कार से निकल ही रहे थे। उनके ड्राइवर को उतारकर चलता कर दिया गया और कार समेत सिविल ड्रेस में पुलिस वाले उन्हें ले गये थे। इसके बाद विश्वविद्यालय ने उन्हें निलम्बित कर दिया था। पक्षाघात से पीड़ित साईबाबा को गढ़चिरौली कोर्ट ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (यूएपीए) के तहत दोषी पाया। बिगड़ती सेहत के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जमानत तो दी लेकिन बाद में बॉम्बे हाईकोर्ट ने हस्तक्षेप कर जमानत रद्द करते हुए उन्हें आत्मसमर्पण के लिये कहा। हालांकि मामले में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने उन्हें 2017 में रिहा तो कर दिया लेकिन मामला फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के बीच की अनेक न्यायिक पेंचीदगियों के बीच गुजरते हुए उन्हें वर्षों तक जेल में समय बिताना पड़ा। पहले से विकलांग साईबाबा को जेल की सुविधाहीन परिस्थितियों में जिंदगी गुजारने के कारण कई तरह की बीमारियां हो गयीं। इनमें से मुख्यतरू उनकी किडनी पर विपरीत प्रभाव पड़ा। उन्हें जेल प्रशासन द्वारा दवाएं नहीं दी जाती थीं। अपनी मौत की वे कई बार आशंका जतला चुके थे। जमानत के दौरान उन्होंने एक साक्षात्कार में बतलाया था कि खुद जेल अधिकारियों को उम्मीद नहीं थी कि वे लम्बे समय तक जिंदा रह पायेंगे। देश में एक ओर जहां हत्या तथा बलात्कार के जुर्म में उम्र कैद भुगत रहा राम रहीम जैसा अपराधी कुछ ही वर्षों में करीब एक दर्जन बार पैरोल पर जेल से रिहा कर दिया जाता है वहीं लेखक, मानवाधिकार कार्यकर्ता एवं प्रोफेसर जैसे सम्मानित पेशे से जुड़े साईबाबा को उनका मां के अंतिम संस्कार में शामिल होने का मौका तक नहीं दिया गया। उनकी नौकरी चली जाने का भी उन्हें बेहद गम था और वे कहते थे कि वे शिक्षक के रूप में काम करना तथा शिक्षक के रूप में ही मरना चाहते थे। केवल वैचारिक मान्यता के आधार पर किसी को देश के खिलाफ षड़यंत्र में शामिल होना बतलाकर यदि किसी को इस प्रकार से लम्बे समय तक जेल में रखा जाये तो इससे अधिक दुर्भाग्यजनक कुछ हो नहीं सकता। किसी विचारधारा का समर्थन या विरोध करना किसी की गिरफ्तारी का कारण नहीं हो सकता– इस बात की तस्दीक अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाएं तथा देश का सुप्रीम कोर्ट भी करता तो है परन्तु वह लेखकों, पत्रकारों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं आदि को सलाखों के बाहर नहीं निकाल पाता। सरकार से भिन्न विचार रखना लोकतांत्रिक प्रणाली का हिस्सा है तथा आधुनिक समय का सर्वमान्य नियम भी। भारत विपरीत दिशा में चल रहा है। यह स्थिति राज्य के नागरिकों पर कड़े शिकंजे का प्रतीक है जो अंततरू देश तथा लोकतंत्र के विरूद्ध है।

भाजपा के कथित पराक्रम से पराभूत हरियाणा की जनता

कामेश्वर

डिजिटल न्यूज चौनलों के साथ–साथ मुख्यधारा की मीडिया ने भी कहा कि हरियाणा और जम्मू–कश्मीर के चुनाव में विपक्ष की लहर है। हरियाणा में चुनाव कांग्रेस नहीं जनता लड़ रही है। चुनाव क्षेत्रों में न्यूज चौनलों के इंटरव्यू में ऐसा दिखता भी था। एक्जिट पोल में बताया गया कि हरियाणा में कांग्रेस पचास से लेकर बहत्तर सीट पाने जा रही है। भाजपा पंद्रह से लेकर बत्तीस तक सिमट जाएगी। फील्ड में घूमने वाले और न्यूज चौनलों पर बहस करने वाले पत्रकार भी यही बता रहे थे। कुछ पत्रकारों ने तो यहां तक दावा किया कि अगर नतीजे ऐसे ही नहीं आए तो वे पत्रकारिता छोड़ देंगे। चुनाव विश्लेषण करने वाले योगेंद्र यादव ने भी कहा कि हरियाणा में कांग्रेस की हवा चल रही है, यह आंधी भी हो सकती है। और ज्यादा चली तो सुनामी भी। लेकिन चुनावों के नतीजे उम्मीद के उलट आए तो उन्होंने कहा कि कई बार चुनाव सर्वेक्षक और विश्लेषक माहौल को भांप नहीं पाते। कोई अंडर करंट चल रहा था जिसे वे भी भांप नहीं पाए। ईवीएम की धांधली के सवाल पर उन्होंने कहा कि वे कोई तकनीकी विशेषज्ञ नहीं हैं और उनके पास धांधली का कोई सबूत नहीं है इसलिए इस बारे में वे कुछ कह नहीं सकते। खैर, योगेंद्र यादव ही क्यों, वैकल्पिक मीडिया के कई दिग्गज विश्लेषक भी कथित अंडर करंट को भांप न पाने के लिए खुद को लानत भेजने लगे। उन्हें कांग्रेस पार्टी और नेताओं की वे कमियां, जिन्हें भाजपा प्रचारित कर रही थी, बड़ी दिखाई देने लगीं जिन्हें वे उसकी लहर के सामने नगण्य मानकर उसकी शानदार जीत की भविष्यवाणी कर रहे थे। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा खेमे में मायूसी का आलम था। उन्हें गांवों में घुसने से रोका जा रहा था। उनकी सभाओं और रैलियों में लोग जुट नहीं रहे थे। खट्टर जैसे बड़े नेता तो खुले में प्रचार करने के बजाय बंद हॉलों में प्रचार कर रहे थे। एक चुनाव क्षेत्र में पार्टी के एक कार्यकर्ता द्वारा उम्मीदवार की जीत के प्रति नाउम्मीदी जताए जाने पर उसे हॉल से बाहर निकलवा दिया। मुख्यधारा की मीडिया द्वारा यह प्रचारित कराया जाने लगा कि हरियाणा कांग्रेस में फूट है। भूपेंद्र हुड्डा, कुमारी सैलजा और रणदीप सुरजेवाला अलग–अलग दिशाओं में चल रहे हैं। हुड्डा नहीं चाहते कि पार्टी को पचपन से ज्याद सीटें मिले। नहीं, उनकी दावेदारी कमजोर पड़ जाएगी। हाई कमान हावी हो जाएगा। इसलिए हुड्डा आमआदमी पार्टी और सपा के साथ गठबंधन कर ज्यादा सीटें जीतने के पक्ष में नहीं हैं। टिकट वितरण में उन्होंने हाई कमान की नहीं चलने दी और अपने बहत्तर उम्मीदवार मैदान में उतार दिए। कुमारी सैलजा के कोटे से केवल सात उम्मीदवार उतारे गए इसलिए वे नाराज होकर घर बैठ गईं और न्यूज चौनलों को इंटरव्यू देकर अपनी भड़ास निकालने लगीं। पूर्व मुख्यमंत्री खट्टर ने उन्हें अपनी पार्टी में आने का न्यौता भी दे दिया। सुरजेवाला अपने बेटे को ही जिताने में लगे रहे। राहुल और प्रियंका गांधी ने प्रचार अभियान में उतरने में देरी कर दी। इसी बीच राहुल गांधी अपनी अमरीका यात्रा से लौटे और उनका डंकी वीडियो वाइरल हुआ जिसमें वे डलास में पंद्रहदस फीट के कमरे में रह रहे हरियाणा के उन डंकी युवाओं से मिले थे। फिर वे करनाल जाकर उन युवाओं के परिवार से भी मिले और हरियाणा में बढ़ रही बेरोजगारी और नशाखोरी का मार्मिक चित्र खींचा। इस तरह हरियाणा में उनके चुनाव प्रचार का आगाज हुआ और उनके प्रचार में न आने शिकायत करने वाले चुनाव विश्लेषक कहने लगे, दे आयद, दुरुस्त आयद। फिर राहुल गांधी वहां लगातार वाहन और पैदल चलकर हाईब्रिड यात्रा करने लगे जिसमें डंकियों के बहाने बढ़ती बेरोजगारी और नशाखोरी के संबंध में भावुक अपील करने लगे। किसान (एमएसपी की गारंटी), जवान (अग्निपथ योजना को बंद कर फौज में सामान्य भर्ती, दो लाख रिक्त पदों पर भर्ती), पहलवान (शारीरिक शोषण के खिलाफ न्याय) और संविधान की रक्षा के नारे लगाते हुए छत्तीस बिरादरी की सरकार बनाने की गारंटी देने लगे। इसके अलावा, घोषणा पत्र में महिलाओं, युवाओं, किसानों और आम जनता के लिए सात प्रकार की रेवड़ियां बांटने का ऐलान भी किया। उन्होंने हुड्डा और कुमारी सैलजा का हाथ मिलवाकर उनके बीच मन–मुटाव दूर कर देने का प्रदर्शन भी कराया। मतदान से एक दिन पहले दलित नेता अशोक तंवर को भाजपा से निकाल कर अपनी पार्टी में शामिल करा लिया। उनकी प्रचार यात्रा और रैलियों में भारी भीड़ उमड़ने लगी। इधर मोदी ने चुनाव प्रचार में अधूरे मन से भाग लिया और फिर चुनाव से हफ्ते भर पहले ही वहां से भाग लिए। उनकी पहली रैली में मुश्किल से पांच हजार लोग जुटाए जा सके। उधर वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल विज खुद मुख्यमंत्री बनने के दावे ठोक रहे थे। नायब सिंह सैनी को अपने विधानसभा क्षेत्र लाडवा में पिछड़ते बताया जाने लगा। खट्टर की अलोकप्रियता के मद्देनजर उन्हें चुनाव प्रचार और पोस्टरों से गायब कर दिया गया। पोस्टरों में मोदी भी दिखने बंद हो गए। ताकि हार का ठीकरा मोदी के सिर न फूटे। चुनाव विश्लेषकों द्वारा बार–बार यही कहा जाता रहा कि मतदाता कांग्रेस को जिताने के लिए नहीं, बल्कि भाजपा को हराने के लिए वोट करेंगे। जब नतीजे निकले तो पासा पलट गया। भाजपा 48 सीट जीत गई और कांग्रेस 37 पर सिमट गई। इस नतीजे से सभी भौंचक रह गए। मतदाता भी और चुनाव विश्लेषक भी। चुनावी पंडितों को अपनी समझ पर संदेह होने लगा। आखिर उनसे कहां चूक हो गई? अंडर करंट को वे समझ कैसे नहीं पाए। उन्होंने मान लिया कि सच में कोई अंडर करंट था। सड़क पर जो दिख रहा था वह सही नहीं था। फिर वे भाजपा की जीत को वास्तविक बताने के लिए उसके समर्थन में तर्क गढ़ने लगे– 1.जाट और गैर–जाट के बीच की खाई (मानों, जाटों का कथित अत्याचार संविधान संशोधन से होने वाले नुकसान से ज्यादा घातक हो।)2. सीएम पद की खींच–तान (मानों, यह केवल कांग्रेस की ही समस्या रही हो।) 3. अति आत्मविश्वास (मानों, यह केवल कांग्रेस की ही समस्या रही हो। नतीजे निकलने से एक दिन पहले मुख्यमंत्री सैनी भरी सभा में कह रहे थे कि जीत के लिए निश्चिंत रहो। हमने सब व्यवस्था कर दी है। यह अति आत्मविश्वास नहीं था?) 4. इंडिया गुट के सहयोगियों के साथ गठबंधन न करने का फैसला। (चुनाव विश्लेषकों के अनुसार जब मतदाताओं ने भाजपा को उसके जनविरोधी नीतियों के कारण हराने का संकल्प ले लिया था तो वे दूसरे दलों पर अपना अमूल्य वोट क्यों खराब करते?) 5. पन्ना प्रमुखों का संगठनात्मक मशीन। (पन्ना प्रमुख क्या सम्मोहन विद्या जानते हैं जो मतदाता को अपने हित–अनहित सोचने के विवेक को छिन लेते हैं और एक ही दिन में उसके मत को पलट देते हैं। तब तो दूसरे दल कभी चुनाव नहीं जीत सकते।) दरअसल, मीडिया और चुनाव विश्लेषक जिधर बम उधर हम के कायल दिखे। वे चित भी मेरी और पट भी मेरी की चाल चलने लगे। मुख्यधारा की मीडिया को छोड़ भी दिया जाए तो वैकल्पिक सोशल मीडिया के चुनाव विश्लेषक भी भाजपा की जीत की दबसट में अपने ही अनुमानों को झुठलाने लगे। वैकल्पिक न्यूज चौनल का एक एंकर कह रहा था कि भाजपा ने हरियाणा चुनाव अपने पराक्रम से जीत लिया। अब वे जिन बातों को पराक्रम समझ रहे हैं उनकी बानगी कुछ इस प्रकार है– ईडी, आईटी और सीबीआई के माध्यम से भयादोहन के जरिए इलेक्टोरल बांड से संचित किया गया अकूत धन जिसे चुनावी मशीनरी को चुस्त–दुरुस्त किया जाता है, हर बूथ पर पन्ना प्रमुख तैयार किया जाता है और अब तो पन्ना समिति बनाने की तैयारी है। मतदाताओं को भी खूब बांटा जाता है।

महाराष्ट्रः भय और आतंक के माहौल में चुनाव

शकील अख्तर

मुम्बई में यह किस में डर पैदा करने की कोशिश है? महाराष्ट्र में चुनाव हैं और उससे पहले राजनीतिक हत्याओं का यह सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। बाबा सिद्दिकी तो राज्य सरकार के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार की पार्टी में आ गए थे। वाय श्रेणी की सुरक्षा थी मगर फिर भी मारे गए। और वह क्या पुलिस थाने में भाजपा विधायक ने राज्य सरकार में शामिल शिंदे गुट के नेता पर गोलियां चला दी थीं। अजीत पवार की पार्टी एनसीपी के तो 8 दिन में यह दूसरे नेता की हत्या है। और इस साल में तीसरे नेता की। मुंबई में लंबी लिस्ट है पिछले दिनों हुई राजनीतिक हत्याओं की। गोलियां चलाकर आतंक पैदा करने की। फिल्म एक्टर सलमान खान जो गुजरात में मोदी जी का समर्थन करने गए थे उनके घर के बाहर अभी गोलियां चलाई गईं। और जिस अपराधी लारेंस बिश्नोई पर आरोप है उसने अभी बाबा सिद्दकी की हत्या की जिमेमेदारी ले ली है। पंजाबी गायक सिद्धु मुसेवाला की हत्या की जिम्मेदारी भी इसी गेंग ने ली थी। डबल इंजन की सरकार है। गेंग लीडर लारेंस बिश्नोई गुजरात की जेल में बंद है मगर आश्चर्य वह सुपारी ले रहा है और हत्याएं करवा रहा है। क्या मतलब है इसका? इतने ताकतवर प्रधानमंत्री राज्य में उनकी सरकार और गुजरात की जेल में बंद एक गेंगस्टर द्वारा मुंबई में एक के बाद एक राजनीतिक हत्याएं! आतंक का माहौल!किस लिए? चुनाव में किसी को फायदा पहुंचाने के लिए? महाराष्ट्र की विपक्षी पार्टियों को यही आशंका है। सबसे प्रमुख विपक्षी दल शिवसेना यूबीटी के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे ने कहा है कि इस हत्या ने महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था की कलई खोल दी। राज्यसभा सांसद संजय राउत ने इसे मुख्यमंत्री की विफलता बताया है। उन्होंने गृह मंत्री देवेन्द्र फडणवीस को बर्खास्त करने की मांग की है। उद्धव ठाकरे की पार्टी की ही राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी कड़े सवाल उठाते हुए कहा है कि अगर सत्ता पक्ष का नेता सुरक्षित नहीं है तो फिर महाराष्ट्र में कौन सुरक्षित है? महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री राज्य का लूटने में लगे हैं उन्हें कानून व्यवस्था की कोई चिंता नहीं है। प्रियंका चतुर्वेदी ने बड़ा सवाल उठाया कि विधानसभा चुनाव की घोषणा में इतनी देर क्यों की जा रही है? यही मुख्य सवाल है। चुनाव में देर क्यों की जा रही है? क्या राज्य में डर व आतंक का वातावरण बनाने के लिए? गुजरात की साबरमती जेल में बंद एक गेंगस्टर कैसे इतना ताकतवर हो सकता है कि डबल इंजन और गुजरात में भी सरकार है तो ट्रिपल इंजन की सरकार कह सकते हैं वह देश के हर राज्य में और विदेश में कनाडा तक में हत्याएं करवा रहा हो और महाराष्ट्र गुजरात की राज्य सरकारें केन्द्र सरकार कोई कुछ नहीं कर पा रहा हो? कोशिश यही है कि महाराष्ट्र में विपक्ष में इतना डर और आतंक पैदा कर दो कि वह ठीक से चुनाव ही नहीं लड़ पाए। क्या यह संभव है? राहुल गांधी को डराया जा सकता है ? उद्धव ठाकरे को कोई डरा सकता है ? शरद पवार किसी से डरेंगे? संभव ही नहीं है। यह सारी कोशिशें बेकार जाएंगी। उल्टे महाराष्ट्र में यह संदेश जाएगा कि मोदी एकनाथ शिंदे अजीत पवार यह कोई उन्हें सुरक्षा नहीं दे सकता है। यह सब इन्हीं की जेल में बंद एक गेंगस्टर के सामने लाचार हैं। राज लारेंस बिश्नोई का चल रहा है प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उप मुख्यमंत्री अजीत पवार का नहीं। सोचिए तीन बार के एमएलए, राज्य सरकार में मंत्री रहे, बेटा जिशान सिद्दीकी अभी भी एमएलए और उप मुख्यमंत्री की अजीत पवार की पार्टी में शामिल फिर भी दशहरे के दिन, भीड़ भाड़ वाले इलाके बान्द्रा ईस्ट इलाके में शाम को गोली मार दी जाती है। बाबा सिद्दकी कोई सामान्य नेता नहीं थे। हर पार्टी में सब उन्हें जानते थे। फिल्म स्टारों में उनकी पूछ थी। जिन्दगी भर कांग्रेस में रहे अभी इसी साल के शुरू में अजीत पवार की पार्टी में गए थे। बिहार के रहने वाले थे। मगर मुबंई में आकर जैसे बहुत सारे दूसरे लोगों ने कांग्रेसी बनकर अपना उद्धार किया था वैसे ही वे भी थे। जब केन्द्र और राज्य दोनों जगह कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई तो वे सत्ता में शामिल अजीत पवार के साथ चले गए। जाते तो कांग्रेस छोड़कर बहुत सारे लोग हैं मगर एकाध ही होता है जो जाने के बाद कांग्रेस पर सोनिया राहुल पर गंदे आरोप नहीं लगता। प्रियंका चतुर्वेदी एक उदाहरण हैं। बाकी लोग तो अपने स्वार्थों से गए मगर प्रियंका चतुर्वेदी के साथ तो बदतमीजी हुई थी। उन्होंने पार्टी में ही रुककर इसकी शिकायत भी की। मगर कोई सुनवाई नहीं हुई तब उन्होंने कांग्रेस छोड़ी। लेकिन छोड़ने के बाद कभी कांग्रेस के खिलाफ नहीं बोला। बाबा सिद्दकी और उनके बेटे जिशान बहुत गंदे आरोप लगाते हुए कांग्रेस से गए थे। मगर देखिए राहुल को इसके बाद भी उनका मन साफ था। कोई गुस्से नाराजगी की भावना नहीं। खुद उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने परिवार के साथ संवेदना व्यक्त की। और बहुत कड़े सवाल उठाते हुए कहा कि इस भयावह घटना ने महाराष्ट्र की कानून व्यवस्था की सारी पोल खोल दी है। राहुल की और कांग्रेस की यही खासियत है जो उन्हें दूसरों से अलग बनाती है। खाली महाराष्ट्र की ही बात की जाए तो यहां से कितने कांग्रेसी नेताओं ने पार्टी छोड़ी? गिनते जाइए! लंबी लिस्ट है। और सब वह हैं जो दूसरे राज्यों से साधारण हैसियत से आकर यहां कांग्रेस में शामिल हुए और नाम, नामा रसूख सब बनाया। वैसे सबको सम्मान दो के सिद्धांत पर हम साधारण हैसियत लिख रहे हैं नहीं तो कुछ भी नहीं कि स्थिति में कांग्रेस में आए थे। कृपाशंकर सिंह (यूपी से) , मिलिंद देवड़ा (इनके पिता मुरली देवड़ा राजस्थान से आए थे) बाबा सिद्द्की (बिहार से) कई नाम हैं। जब कांग्रेस सत्ता में नहीं रही तो सत्ताधारी पार्टियों की तरफ चले गए। गए तो संजय निरुपम भी हैं। वे भी बिहार से हैं मगर उन्होंने नाम शिवसेना में बनाया था। कांग्रेस में बाद में आए। सांसद यहां भी बने। ऐसे ही जाने वालों की लंबी लिस्ट है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण भी। खैर यह स्वार्थी, अवसरवादी, डरपोक नेताओं का कांग्रेस से जाना ऐसे ही चलता रहता है। आना भी। जब सत्ता में कांग्रेस आएगी तो यह लोग सबसे पहले राहुल की जय जयकार करते हुए वापस आएंगे। और कांग्रेस इन्हें लेगी भी। यह कांग्रेस की समस्या है। अब इसे राहुल दूर करेंगे या नहीं मालूम नहीं। लेकिन अगर वे इस बारे में साफ कहें तो इससे कांग्रेस को फायदा होगा। पार्टी के साथ वफादारी से जुड़े लोगों का उत्साह बढ़ेगा। और फेंस पर जाने को बैठे लोगों में डर बैठेगा। लेकिन राहुल अनुशासन के मामले में कितने सख्त हो पाते हैं कितने नहीं यह कहना मुश्किल है।लेकिन फिलहाल तो उनके सामने महाराष्ट्र चुनाव है। जहां इंडिया गठबंधन की स्थिति काफी अच्छी दिख रही है। लोकसभा में भी महाराष्ट्र ने मोदी जी को बड़ी चोट पहुंचाई थी। 48 सीटों में से एनडीए को केवल 17 सीटें मिलीं।

श्रद्धा कपूर

ने लैक्मे फैशन वीक में बिखेरा जलवा, पेस्टल पिंक लहंगे में दिखी बेहद खूबसूरत

> फैशन शो के दौरान श्रद्धा कपूर कल्कि फैशन के कलेक्शन की शोस्टॉपर बनी और अपने एथनिक लुक से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। श्रद्धा कपूर के इस रॉयल लुक की बात करें तो, पेस्टल पिंक लहंगा उनकी खूबसूरती को और भी निखार रहा था। लहंगे पर की गई जटिल कढ़ाई और स्वीटहार्ट नेकलाइन ब्लाउज उनके पूरे लुक को शानदार बना रहे थे।

अक्टूबर के महीने में रविवार को लैक्मे फैशन वीक एक्स एफडीसीआई का 5वां दिन खास रहा, जब श्रद्धा कपूर ने अपने रॉयल अंदाज में रनवे पर कदम रखा। श्रद्धा ने दर्शकों का दिल जीतने में कोई कसर नहीं छोड़ी, खासकर अपने खूबसूरत पेस्टल पिंक रंग के लहंगे में, जो भारी कढ़ाई से सजाया गया था। फैशन शो के दौरान श्रद्धा कपूर कल्कि फैशन के कलेक्शन की शोस्टॉपर बनीं और अपने एथनिक लुक से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। श्रद्धा कपूर के इस रॉयल लुक की बात करें तो, पेस्टल पिंक लहंगा उनकी खूबसूरती को और भी निखार रहा था। लहंगे पर की गई जटिल कढ़ाई और स्वीटहार्ट नेकलाइन ब्लाउज उनके पूरे लुक को शानदार बना रहे थे। ब्लाउज पर सिल्वर और गुलाबी रंग की सजावट ने पूरे आउटफिट को एक विशिष्टता दी, जो फैशन प्रेमियों को खासा आकर्षित कर रही थी। लहंगे की गुलाबी लटकन और कढ़ाई का बारीक काम इस रॉयल लुक में चार चांद लगा रहा था। श्रद्धा कपूर ने अपने लुक को मिनिमल ज्वेलरी के साथ संवारने का फैसला किया, जो उनके एथनिक लुक को और भी क्लासी बना रहा था। उन्होंने एक बेसिक डायमंड चोकर और स्टेटमेंट इयररिंग्स पहने थे, जो उनके लहंगे के साथ शानदार तरीके से मेल खा रहे थे। श्रद्धा की ज्वेलरी ने उनके लुक में एक सूक्ष्म और सजीला टच दिया, जिससे उनका लुक और भी निखर कर सामने आया। श्रद्धा ने अपने लुक को और भी ग्लैमरस बनाने के लिए बोल्ड मेकअप का चुनाव किया। ग्लोइंग बेस के साथ उन्होंने सॉफ्ट, स्मोकी आईज और बोल्ड आईलैशेस को अपने मेकअप का हिस्सा बनाया, जबकि न्यूड लिपस्टिक उनके लुक को सॉफ्ट और एलिगेंट बना रही थी। उनके बालों को सॉफ्ट लूज कर्ल्स में स्टाइल किया गया, जो उनके पूरे लुक को एक मॉडर्न टच दे रहे थे। कल्कि फैशन का कलेक्शन मुश्क इस इवेंट में खास आकर्षण का केंद्र बना रहा। यह एक वेडिंग काउचर कलेक्शन है, जो पारंपरिक भारतीय शिल्पकला और मॉडर्न डिजाइन का बेहतरीन मिश्रण पेश करता है। कलेक्शन में कढ़ाई वाले जैकेट, चौड़े पैंट, पेप्लम टॉप्स, फिशटेल स्कर्ट और नए जमाने के लहंगे शामिल थे। इसके साथ ही दूल्हों के लिए कढ़ाई वाले ब्लेजर और शेरवानी की भी रेंज पेश की गई, जो पारंपरिक शेरवानी को आधुनिक परिष्कार के साथ पेश करती है। श्रद्धा कपूर का यह लुक और उनका आत्मविश्वास यह साबित करता है कि भारतीय परिधान को मॉडर्न फैशन के साथ कैसे मिलाया जा सकता है। उनका यह रॉयल लुक न केवल पारंपरिकता को बनाए रखता है, बल्कि आधुनिकता का एक नया दृष्टिकोण भी प्रस्तुत करता है। श्रद्धा कपूर ने इस इवेंट में सिर्फ फैशन ही नहीं, बल्कि अपने लुक के जरिए एक स्टाइलिश संदेश भी दिया हैकृकि फैशन सिर्फ कपड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्म–अभिव्यक्ति और व्यक्तित्व का एक हिस्सा है। श्रद्धा कपूर के इस रॉयल लुक ने मीडिया और सोशल मीडिया पर भी खूब सुर्खियां बटोरीं। फोटोग्राफर्स ने श्रद्धा के लुक को कैद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी और उनके ग्लैमरस अंदाज को सभी ने सराहा। सोशल मीडिया पर उनके लहंगे और पूरे लुक की जमकर तारीफ हो रही है, जिसमें उनकी सादगी और स्टाइल का अनोखा मेल देखने को मिला। श्रद्धा कपूर ने लैक्मे फैशन वीक में अपने रॉयल एथनिक लुक से यह साबित कर दिया कि वह न केवल एक बेहतरीन अदाकारा हैं, बल्कि एक स्टाइल आइकन भी हैं। उनका यह लुक भारतीय फैशन को आधुनिकता के साथ पेश करने का एक आदर्श उदाहरण है।

आए दिन दुःख–तकलीफें झेल रही हिना खान, पहले झड़े सिर के बाद अब आंखों में बची सिर्फ एक पलक

जब इंसान को बुखार भी होता है तो वह अपनी सेहत की चिंता में लग जाता है। जरा सोचिए, उन लोगों के बारे में जो पल– पल मौत का सामना कर रहे हैं। टेलीविजन अभिनेत्री हिना खान भी उनमें से एक है, जिनकी जिंदगी स्तन कैंसर की चपेट में आने के बाद पूरी तरह से बदल गई है। हालांकि इस दौरान भी उन्होंने जो हिम्मत रखी है वह काबिले तारीफ है। इन दिनों हिना एक और समस्या का सामना कर रही है। अपनी जीवंत भूमिकाओं और स्क्रीन पर दमदार उपस्थिति के लिए जानी जाने वाली हिना ने हर चुनौती का सामना बेहद ही हिम्मत के साथ किया है। हाल ही में, उन्होंने कीमोथेरेपी को लेकर अपने अनुभव साझा किए, जिसमें उन्होंने बताया कि इसका साइड इफेक्ट ये हुआ कि उनकी पलकें गिर गई हैं। अब उनकी सिर्फ एक ही पलक बची है। हिना ने अपने पोस्ट में लिखा, जानना चाहती हूं कि मेरी प्रेरणा का वर्तमान स्रोत क्या है? एक समय में एक शक्तिशाली और सुंदर ब्रिगेड का हिस्सी थी, जो मेरी आंखों को सुशोभित करते थे और अब मेरी एक आईलैश बची है, जो बाकी पलकों से थोड़ी ज्यादा हिम्मती निकली क्योंकि यह अब तक बची हुई है। मैं अपनी कीमोथेरैपी सेशन के आखिरी पड़ाव पर हूं और मेरी यह आखिरी पलक मेरी मोटिवेशन है, हम इस कठिन समय को भी पार कर ले जाएंगे."। हिना ने आगे लिखा–एक दशक से नकली बाल नहीं पहने हैं, वास्तव में इससे भी ज्यादा लेकिन अब मैं अपने शूट के लिए पहनती हूं। कोई नाआआआ.. सब ठीक हो जाना है, दुआ। इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक फोटो भी शेयर की है जिसमें उनकी आंखे और उस पर बची आखिरी पलक नजर आ रही है। लोग हिना का यह हाल देख भावुक हो गए हैं उनके ठीक होने की दुआ भी मांग रहे हैं।

जब करीना कपूर ने करिश्मा से पहली बार की थी अपने रिश्ते पर बात, जानें क्या कहा था

बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर और करीना कपूर खान नेटफ्लिक्स के शो 'द कपिल शर्मा शो' में दिखाईं दी। करिश्मा कपूर ने श्द कपिल शर्मा शोश में एक दिलचस्प घटना बताई है। उन्होंने उस दिन को याद किया जब करीना ने सैफ के साथ अपने रिश्ते के बारे में पहली बार उनसे खुलकर बात की थी। करिश्मा ने बताया कि वह लंदन की सड़कों पर चल रही थीं, तभी करीना ने उन्हें फोन किया। करीना ने कहा कि मुझे लगता है कि मुझे आपको कुछ बताना है, इसलिए आपको बैठ जाना चाहिए। इस पर करिश्मा ने कहा कि सड़क पर बैठ जाऊं क्या। करीना ने कहा कि नहीं, क्या कोई शांत जगह है? मुझे लगता है कि आपको सोफे पर बैठना चाहिए। करिश्मा को आखिरकार एक सोफा मिला, जहां वह बैठ गईं। उन्होंने करीना से कहा कि हां जल्दी करो और मुझे बताओ, मैं खरीदारी करने निकली हूं। फिर करीना ने सैफ के साथ अपने रिश्ते का खुलासा करते हुए कहा कि बात यह है कि मैं सैफ से प्यार करती हूं और आप जानते हैं, हम साथ हैं। हम डेट कर रहे हैं। यह खबर सुनकर करिश्मा हैरान रह गईं।

करीना कपूर और सैफ अली खान ने साल 2012 में शादी की थी। उनके दो बच्चे हैं, एक का नाम तैमूर अली खान है और दूसरे बच्चे का नाम जेह अली खान है। तैमूर का जन्म साल 2016 और जेह का जन्म 2021 में हुआ है। सैफ ने करीना से पहले एक और शादी की थी। सैफ के दो बच्चे हैं, जिनका नाम सारा अली खान और इब्राहिम अली खान है। करिश्मा कपूर के करियर पर नजर डालें तो वह आखिरी बार नेटफ्लिक्स के शो 'मर्डर मुबारक' में दिखाई दी थीं। वर्तमान में वह रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर' को जज कर रही हैं। दूसरी ओर करीना की फिल्म 'द बकिंघम मर्डर्स' पहले ही सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है, जबकि उनकी दूसरी फिल्म शसिंघम रिटर्न्सश दीपावली पर रिलीज होगी। इस फिल्म में अजय देवगन, दीपिका पादुकोण, रणबीर सिंह, अक्षय कुमार, अर्जुन कपूर और टाइगर श्रॉफ मुख्य भूमिकाओं में हैं।

सलमान खान का परिवार पहुंचा बाबा सिद्दीकी के घर

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान का परिवार रविवार को बाबा सिद्दीकी के घर पहुंचा। बाबा सिद्दीकी की हत्या शनिवार को मुंबई में गोली मारकर कर दी गई थी। सलमान की बहनें अलवीरा खान अग्निहोत्री और अर्पिता खान, उनके भाई सोहेल और उनकी रुमर्ड महिला मित्र यूलिया वंतूर बाबा सिद्दीकी के घर पहुंचे। सलमान खान शनिवार को बाबा सिद्दीकी को गोली लगने के बाद सीधे लीलावती अस्पताल पहुंचे थे। उन्होंने बाबा की हत्या की खबर मिलने के बाद शबिग बॉस की शूटिंग बीच में ही रद्द कर दी थी। कहा जा रहा है कि सलमान ने एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद सुरक्षित स्थान पर शरण ली है। वह उनके सबसे करीबी दोस्तों में से एक थे। इससे पहले लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने सलमान के घर पर गोलीबारी की थी और उनके पिता, पटकथा लेखक सलीम खान को धमकियां भी दी थीं। इसी गिरोह ने बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी ली है। ज्ञात हो कि बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद मुंबई के बांद्रा इलाके में सलमान के आवास गैलेक्सी अपार्टमेंट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बाबा सिद्दीकी अक्सर मुंबई के बांद्रा इलाके में भव्य इफ्तार पार्टियां आयोजित करने तथा कई हाई–प्रोफाइल मेहमानों की मेजबानी करने के लिए जाने जाते थे। गौरतलब है कि 2013 में बाबा सिद्दीकी की इफ्तार पार्टी में ही बॉलीवुड के दो सबसे बड़े सुपरस्टार सलमान खान और शाहरुख खान के बीच लंबे समय से जारी झगड़ा खत्म हुआ था। पांच साल तक चले इस झगड़े ने पूरे बॉलीवुड के सितारों को दो खेमों में बांट दिया था। इन दोनों दिग्गज अभिनेताओं ने बाबा सिद्दीकी की इफ्तार पार्टी में एक–दूसरे को गले लगाकर फिर से दोस्ती की थी। इस बीच, बाबा सिद्दीकी की हत्या के तीन हमलावरों में से दो को मुंबई पुलिस ने पकड़ लिया है। इस मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बाबा सिद्दीकी के साथ उनके बेटे को भी गोली से उड़ाना चाहते थे शूटर, सलमान पर भी मंडराए संकट के बादल

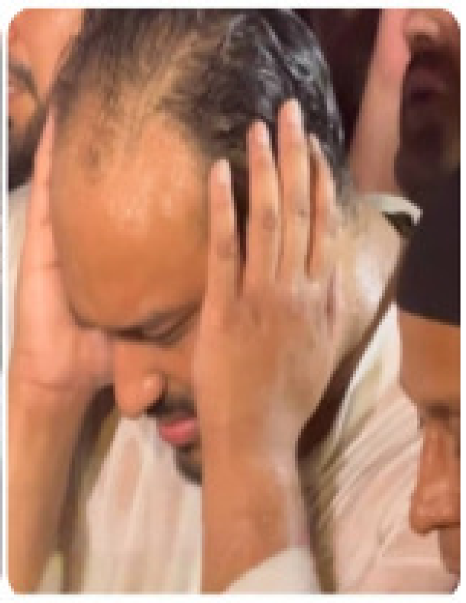

एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या में शामिल आरोपियों ने खुलासा किया कि सिद्दीकी का बेटा जीशान भी शूटरों के निशाने पर था। मुंबई पुलिस के मुताबिक, आरोपियों को जीशान और बाबा सिद्दीकी दोनों को मारने का ठेका दिया गया था। आरोपियों ने पूछताछ के दौरान दावा किया कि जीशान और बाबा सिद्दीकी दोनों ही निशाने पर थे और उन्हें आदेश दिया गया था कि जो भी मिले उस पर गोली चला दें। बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी को घटना के कुछ दिन पहले ही धमकियां मिली थीं। इस बीच, मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने सोमवार को एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में पुणे से प्रवीण लोनकर को गिरफ्तार किया। मुंबई पुलिस के मुताबिक, प्रवीण शुबू लोनकर का भाई है जिसने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था कि लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने हत्या की जिम्मेदारी ली है। शुबू लोनकर फिलहाल फरार है। पुलिस का कहना है कि प्रवीण लोनकर ने गिरफ्तार दोनों आरोपियों को पुणे में पनाह दी थी। इस बीच, एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में आरोपी धर्मराज कश्यप का मुंबई पुलिस ने अस्थि परीक्षण किया और पुष्टि हुई कि वह नाबालिग नहीं है। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की निर्मल नगर में उनके कार्यालय के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई। उन्हें मुंबई के लीलावती अस्पताल ले जाने से पहले कई गोलियां लगीं, जहां शनिवार रात को उनकी मौत हो गई। वहीं इस घटना के बाद सलमान के गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर तगड़ी सिक्योरिटी तैनात कर दी गई है। उनके घर के बाहर बैरिकेड्स लगे हैं। किसी भी गाड़ी को सलमान के घर के बाहर या आसपास रुकने नहीं दिया जा रहा है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने कहा है कि जो भी सलमान की मदद करेगा, वह अपना हिसाब लगाकर रख ले इसी बीच सलमान की सुरक्षा और बढ़ा दी गई है, क्योंकि लॉरेंस बिश्नोई का सलमान से पुराना विवाद चल रहा है और वह एक्टर की हत्या करने की धमकी भी दे चुका है।

करवा चौथ पर लगाएं एकदम हटके मेहंदी डिजाइन, पति देखते रह जाएंगे आपके हाथ

करवा चौथ पर मेहंदी लगाना बेहद शुभ माना जाता है। सुहागिन महिलाएं पति के नाम की मेहंदी हाथों पर लगाती है। इस करवा चौथ अनोखे मेहंदी डिजाइन के साथ अपने हाथों में रचाएं। ये मेहंदी के डिजाइन आपके लुक को बेहतर बनाने और एक स्टाइलिश स्टेटमेंट बनाने के लिए है। इस लेख में हम आपको आसान और अनोखे मेहंदी डिजाइन बताने जा रहे हैं। सनातन धर्म में करवा चौथ त्योहार का बेहद महत्व माना जाता है। कार्तिक माह में करवा चौथ का त्योहार आता है। इस साल यह त्योहार 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा। करवा चौथ पर महिलाएं सूर्योदय से चंद्रोदय तक कठोर उपवास रखती हैं, अपने पति के स्वास्थ्य, कल्याण और लंबी उम्र के लिए प्रार्थना करती हैं। करवा चौथ की प्रमुख रस्मों में से एक विवाहित महिलाओं के हाथों और पैरों पर मेहंदी लगाना है। मेहंदी का प्रयोग शरीर को सजाने के लिए सदियों से इस्तेमाल किया जा रहा है, इसे शुभ माना जाता है और इसे अक्सर शादियों और अन्य धार्मिक समारोहों के दौरान लगाया जाता है। यदि आप वहीं पुराने पारंपरिक डिजाइनों से थक गए हैं, तो यहां हम आपको अद्भुत मेहंदी के डिजाइन आपको बताएंगे।

लाइट लैंप डिजाइन की मेहंदी

अगर आप करवा चौथ पर एकदम हटके मेहंदी का डिजाइन लगवाना चाहते हैं तो यह मेहंदी का डिजाइन आपके लिए है। इस में फूलों की डिजाइन के साथ लाइट लैंप के भी नजर आ रही है।

रॉयल लुक वाली मेहंदी डिजाइन

यदि आप अपने हाथों में कुछ हटके मेहंदी लगाना चाहते हैं तो इस मेहंदी डिजाइन को जरुर लगाएं।

नाश्ते में सेहत से भरपूर गेहूं के आटे का डोसा झटपट से बनाएं, नोट करें आसान रेसिपी

नाश्ते में हेल्दी क्या बनाएं यह हर रोज यही सवाल रहता है, आज क्या बनाएं? कुछ नया खाने के लिए गेहूं का आटे वाला डोसा घर पर जरुर बनाएं। इसे खाकर आपको काफी अच्छा लगेगा। आप भी नाश्ते में इस हेल्दी डोसा को जरुर बनाएं। आमतौर पर गृहणी परेशान रहती है कि आज घर में क्या बनाएं। नाश्ते से लेकर रात के डिनर तक यही सवाल बना रहता है कि क्या बनाएं। अगर आप भी नाश्ते के लिए कुछ हटके तलाश कर रहे हैं। तो आप नाश्ते में डोसा बना सकते हैं, अब आपके जहन में यही सवाल आ रहा होगा कि इसमें नया क्या है? आप ने ट्रेडिशनल डोसा उड़द की दाल और चावल वाला जरुर खाया होगा। लेकिन आपने आटा का डोसा नहीं खाया होगा। इसे आप गेहूं के आटे से तैयार कर सकते हैं और चाटनी के साथ खा सकते हैं। आइए जानते हैं इसकी रेसिपी।

और जानें

गेहूं के आटे का डोसा के लिए सामग्री

– 2 कप गेहूं का आटा
– 4–5 कप पानी
– 1 चम्मच नमक या स्वादानुसार
– 2 चम्मच घी
– स्वादानुसार नमक
– 2 चम्मच चावल का आटा
– 1/4 छोटा चम्मच जीरा
– 2 बड़े चम्मच बारीक कटी प्याज
– 1 चम्मच दही
– करी पत्ते
– आधा छोटा चम्मच कद्दूकस किया अदरक
– 2 से 3 हरी मिर्च

गेहूं के आटे का डोसा कैसे बनाएं?

–गेहूं के आटे में नमक अच्छी तरह से मिला लें फिर इसमें चावल का आटा मिक्स करें। – अब इसमें दही और थोड़ा–थोड़ा पानी डालें और बैटर को धीरे–धीरे तब तक मिलाएं जब तक कि गाढ़ापन दिखने न लगे तो पानी डालें। इस बैटर की कंसिस्टेंसी थोड़ी पतली होती है। इसे गेहूं के डोसा बैटर में करी पत्ता, प्याज, हरी मिर्च, अदरक, जीरा डालें, इससे अच्छे से मिला ले।

– अब तवे को गर्म करें और एक बड़े चम्मच से बैटर डालें। तवे को बैटर से भर दें और फिर गैस को मध्यम–धीमी रखते हुए डोसे को पकाएं।

– डोसे के ऊपर आप घी की कुछ बूंदें डालें और धीरे से पलट दें। अब दूसरी तरफ से भी थोड़े सेक लें और फिर चटनी के साथ सर्व करें। चाहें तो डोसे में पनीर की फिलिंग भर दें।

लौंग है स्वास्थ्य का राज, 3 दिन इस चीज के साथ मिलाकर खाएं और पाएं गजब के फायदे!

लौंग एक फायदेमंद मसाला है, जो एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुणों से भरपूर होता है। इसे हम अपने खाने में स्वाद बढ़ाने के लिए इस्तेमाल करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि लौंग को नींबू के साथ मिलाकर खाने से आपके स्वास्थ्य में कई सुधार हो सकते हैं? आइए जानते हैं लौंग और नींबू के इस शक्तिशाली संयोजन के बारे में और इसके अद्भुत फायदों के बारे में।

लौंग और नींबू का शक्तिशाली संयोजन

लौंग और नींबू का संयोजन पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करता है। यह गट हेल्थ को सुधारता है और पेट की समस्याओं जैसे गैस, अपच और बवासीर को कम करने में सहायक है। लौंग में मौजूद एंटी–बैक्टीरियल और एंटी–फंगल गुण पाचन तंत्र में बैक्टीरिया के विकास को रोकते हैं, जिससे आंतों में सूजन कम होती है।नींबू का विटामिन सी पाचन एंजाइमों के उत्पादन को बढ़ावा देता है, जो भोजन को पचाने में मदद करते हैं। इसके अलावा, नींबू का खट्टा स्वाद लार ग्रंथियों को सक्रिय करता है, जिससे पाचन प्रक्रिया में सुधार होता है। इस संयोजन का सेवन करने से आंतों की गति भी बढ़ती है, जिससे कब्ज की समस्या में राहत मिलती है। यदि आप नियमित रूप से लौंग और नींबू का सेवन करते हैं, तो यह आपके पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है, जिससे आप हल्का और तरोताजा महसूस करेंगे।

पाचन में सुधार

लौंग में मौजूद यौगिक पाचन में सुधार करने और आंतों के बैक्टीरिया को नियंत्रित करने में सहायक होते हैं। नींबू का रस पाचन एंजाइमों के कार्य को उत्तेजित करता है, जिससे भोजन का पाचन तेजी से होता है। इसके खट्टे स्वाद से लार ग्रंथियों की सक्रियता बढ़ती है, जो भोजन को पचाने में मदद करती है।

एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण

लौंग और नींबू दोनों में अद्भुत एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो शरीर में सूजन को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। लौंग में यूजेनॉल नामक यौगिक पाया जाता है, जो सूजन और दर्द को कम करने में बेहद प्रभावी होता है। वहीं, नींबू में विटामिन सी और अन्य एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाते हैं और सूजन को घटाते हैं। खासकर उन लोगों के लिए जो जोड़ों के दर्द या अन्य सूजन संबंधी बीमारियों से ग्रस्त हैं। यदि आप किसी चोट या संक्रमण के बाद सूजन का अनुभव कर रहे हैं, तो लौंग और नींबू का यह मिश्रण तेजी से राहत पहुंचाने में सहायक हो सकता है।

इस तरह, लौंग और नींबू का संयोजन न केवल सूजन को कम करता है, बल्कि शरीर के समग्र स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है।

जोड़ों के दर्द से राहत

अगर आपको हड्डियों और जोड़ों के दर्द की समस्या है, तो लौंग और नींबू का सेवन आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। नींबू में मौजूद विटामिन–सी हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायक होता है। इसके अलावा, लौंग में यूजेनॉल पाया जाता है, जो प्राकृतिक दर्द निवारक के रूप में कार्य करता है।

जिससे सूजन कम होती है और जोड़ों के आसपास की मांसपेशियों को आराम मिलता है। नियमित रूप से लौंग और नींबू का मिश्रण खाने से हड्डियों के घनत्व में वृद्धि होती है, जिससे आर्थराइटिस जैसी स्थितियों में राहत मिलती है। जोड़ों के दर्द को नियंत्रित करने के लिए आप लौंग की चाय बना सकते हैं या नींबू के रस के साथ लौंग का पाउडर मिला सकते हैं, जिससे आपको लंबे समय तक आराम महसूस होगा। इस तरह, लौंग और नींबू का सेवन आपकी हड्डियों और जोड़ों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

श्वसन स्वास्थ्य

सांस और फेफड़ों से जुड़ी समस्याओं में राहत पाने के लिए लौंग और नींबू का मिश्रण बेहद फायदेमंद है। यह खांसी, जुकाम और अस्थमा जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में मदद कर सकता है। लौंग में एंटीसेप्टिक गुण होते हैं, जो श्वसन तंत्र को साफ करने में मदद करते हैं और फेफड़ों में जमे बलगम को निकालने में सहायक होते हैं। नींबू का विटामिन–सी इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है, जिससे मौसमी बीमारियों से बचाव में मदद मिलती है। इसके साथ ही, लौंग और नींबू का सेवन करने से श्वसन नलिकाओं में सूजन कम होती है, जिससे सांस लेने में आसानी होती है। आप इस मिश्रण को चाय में मिलाकर सुबह या शाम को पी सकते हैं, जो आपके श्वसन स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक होगा। इसके नियमित सेवन से फेफड़ों की कार्यक्षमता में सुधार होता है और सांस से जुड़ी समस्याओं के उपचार में भी मदद मिलती है।

इम्यूनिटी बूस्ट

लौंग और नींबू के सेवन से आपकी इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है, जिससे आपको मौसमी बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है। लौंग में एंटीऑक्सीडेंट्स की प्रचुरता होती है, जो शरीर में फ्री रेडिकल्स के प्रभाव को कम करते हैं, जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है। नींबू का विटामिन–सी इम्यून सिस्टम को सशक्त बनाता है, जिससे शरीर की संक्रमण से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। जब इन दोनों का संयोजन किया जाता है, तो यह एक शक्तिशाली मिश्रण बनता है जो सर्दी, जुकाम, और अन्य मौसमी बीमारियों से बचाव में मदद करता है। इसके अलावा, नियमित रूप से लौंग और नींबू का सेवन करने से शरीर में सूजन और संक्रमण को भी कम किया जा सकता है, जिससे स्वास्थ्य में समग्र सुधार होता है। आप इसे सुबह की चाय में मिलाकर या एक गिलास पानी में नींबू के रस और लौंग डालकर पी सकते हैं, जिससे आपकी इम्यूनिटी को एक नया आयाम मिलता है।

वजन कम करने में मदद

नींबू और लौंग का सेवन मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में मदद करता है, जो वजन कम करने में सहायक हो सकता है। नींबू में मौजूद सिट्रिक एसिड आपके शरीर की चर्बी को कम करने में मदद करता है, जिससे शरीर में वसा के भंडारण की प्रवृत्ति कम होती है। लौंग, अपनी एंटी–ऑक्सीडेंट गुणों के साथ, भूख को नियंत्रित करने में सहायक होती है, जिससे आपको बार–बार खाने की इच्छा नहीं होती। इन दोनों का संयोजन आपकी कैलोरी खपत को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है, जिससे वजन कम करने में आसानी होती है। इसके अलावा, नींबू और लौंग का सेवन आपकी ऊर्जा स्तर को बढ़ाता है, जिससे आप अधिक सक्रिय रहते हैं और शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित होते हैं। आप इसे सुबह एक गिलास गर्म पानी में नींबू का रस और कुछ लौंग डालकर पी सकते हैं, जो आपके वजन कम करने के प्रयास को और भी प्रभावी बना सकता है।

नींबू–लौंग का सेवन कैसे करें?

लौंग और नींबू की चाय लौंग और नींबू के टुकड़ों को गर्म पानी में डालकर चाय बनाएं और सुबह या शाम में सेवन करें। पानी का मिश्रण 1 लीटर पानी में लौंग और नींबू के टुकड़े डालकर रातभर के लिए छोड़ दें। अगले दिन पूरे पानी को पीएं। लौंग और नींबू का संयोजन एक प्राकृतिक उपचार के रूप में काम करता है, जो आपकी सेहत को कई तरीकों से सुधारने में मदद कर सकता है। इन दोनों का नियमित सेवन आपकी इम्यूनिटी, पाचन और समग्र स्वास्थ्य में सुधार लाने में सहायक होता है। हालांकि, किसी भी नए आहार को शामिल करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेना न भूलें।

स्वप्नशास्त्रः दिवाली से पहले इन सपनों का दिखना शुभ माना गया!

स्वप्नशास्त्र के अनुसार सपने हमें भविष्य में होने वाली घटनाओं के संकेत देते हैं। यह विश्वास है कि दिवाली से पहले कुछ विशेष सपने ऐसे होते हैं जो भविष्य में आने वाले सुख, समृद्धि और सफलता की सूचना देते हैं। दिवाली हिन्दू धर्म में माँ लक्ष्मी की पूजा का विशेष दिन है और इसे धन, समृद्धि और सफलता का पर्व माना जाता है। यदि आप इन खास सपनों को देखते हैं, तो इसका अर्थ है कि आपकी किस्मत बदलने वाली है और माँ लक्ष्मी की कृपा आप पर होने वाली है।

स्वास्तिक चिह्न का दिखना

स्वास्तिक चिह्न हिन्दू धर्म में शुभता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। दिवाली पर घर के मुख्य द्वार पर स्वास्तिक का चिह्न लगाने से माँ लक्ष्मी का घर में वास होता है। यदि दिवाली से पहले आपको सपने में स्वास्तिक चिह्न दिखाई देता है, तो यह संकेत है कि आपके परिवार में सुख–समृद्धि आने वाली है। इसके साथ ही यह सपना पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने का प्रतीक है।

मंदिर के दर्शन

मंदिर का सपना देखना हमेशा शुभ माना जाता है, खासकर दिवाली से पहले। स्वप्नशास्त्र के अनुसार, यदि आपको दिवाली से पहले सपने में मंदिर दिखता है, तो यह इस बात का संकेत है कि आपके रुके हुए कार्य पूरे होने वाले हैं और जल्द ही आपको सफलता मिलेगी। यह सपना इस बात का भी प्रतीक है कि देवी लक्ष्मी आपसे प्रसन्न हैं और आपकी मनोकामनाएं पूरी होने वाली हैं।

गाय से दूध निकालते देखना

गाय को हिन्दू धर्म में पवित्र और देवी का रूप माना गया है। यदि आप दिवाली से पहले सपने में खुद को गाय से दूध निकालते हुए देखते हैं, तो यह अत्यंत शुभ होता है। स्वप्नशास्त्र के अनुसार, इस सपने का मतलब है कि आप पर माँ लक्ष्मी की विशेष कृपा है और आप आर्थिक रूप से समृद्ध होने वाले हैं। यह सपना आर्थिक सफलता और समृद्धि का प्रतीक है।

अपने कुलदेवता का दर्शन

स्वप्नशास्त्र के अनुसार, दिवाली से पहले यदि आपको अपने कुलदेवता सपने में दिखाई देते हैं, तो यह इस बात का संकेत है कि आपकी सभी मनोकामनाएं जल्द ही पूरी होने वाली हैं। यह सपना दर्शाता है कि आपको नौकरी, विवाह, या जीवन में किसी महत्वपूर्ण सफलता की प्राप्ति होने वाली है। कुलदेवता का सपना आशीर्वाद और जीवन में खुशियों के आगमन का प्रतीक है।

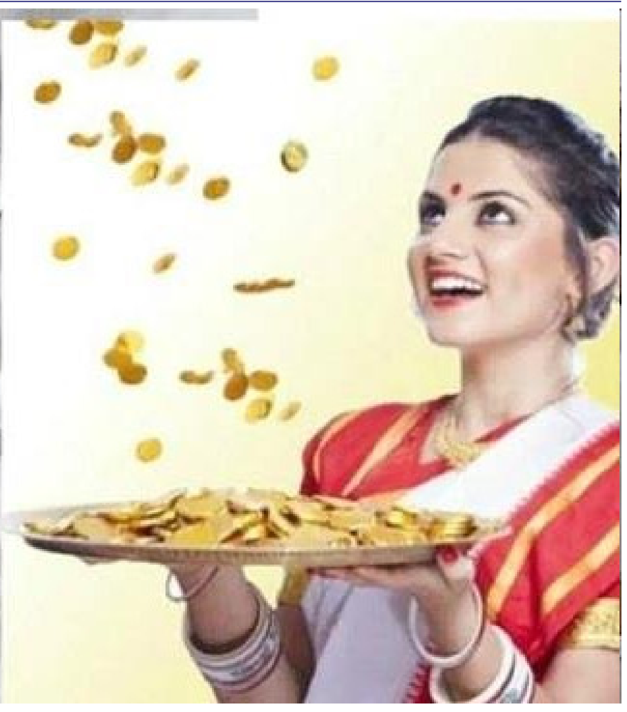

अखंड ज्योति जलते देखना

दिवाली का पर्व दीयों का पर्व है, और अगर आप दिवाली से पहले सपने में अखंड ज्योति जलते हुए देखते हैं, तो यह एक बहुत ही शुभ संकेत है। इसका मतलब है कि आपकी उम्र लंबी होने वाली है और आपकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान होने वाला है। साथ ही, यह सपना यह भी दर्शाता है कि आपके घर में सुख–समृद्धि में वृद्धि होने वाली है।

हरे–भरे खेत या बगीचे का दिखना

हरे–भरे खेत या बगीचे का सपना देखना अत्यंत शुभ माना जाता है। दिवाली से पहले यह सपना देखना इस बात का संकेत है कि आपके जीवन में प्रचुरता और समृद्धि आने वाली है। खेत या बगीचा जीवन में नई संभावनाओं और अवसरों का प्रतीक है। यह सपना विशेष रूप से आर्थिक रूप से बेहतर स्थिति की ओर इशारा करता है।

स्वर्ण आभूषण या धन का दिखना

यदि आपको दिवाली से पहले सपने में स्वर्ण आभूषण या धन दिखाई देता है, तो यह बेहद शुभ संकेत है। स्वप्नशास्त्र के अनुसार, यह सपना इस बात का प्रतीक है कि आप पर माँ लक्ष्मी की विशेष कृपा होने वाली है और आपको अचानक धन लाभ हो सकता है। यह सपना आपके आने वाले दिनों में समृद्धि और वित्तीय स्थिरता की ओर इशारा करता है।

पक्षियों का जोड़ा देखना

सपने में पक्षियों का जोड़ा देखना शुभ माना जाता है। यदि दिवाली से पहले आप सपने में पक्षियों को एक साथ उड़ते हुए देखते हैं, तो यह संकेत है कि आपके जीवन में प्रेम और सौहार्द बढ़ेगा। यह सपना खासकर वैवाहिक जीवन या प्रेम संबंधों के लिए शुभ होता है और परिवार में खुशी और संतोष की वृद्धि का प्रतीक है।

बहती नदी या जल स्रोत देखना

बहता हुआ पानी, जैसे कि नदी या झरना, स्वप्नशास्त्र में शांति और समृद्धि का प्रतीक है। यदि दिवाली से पहले आपको सपने में बहती नदी दिखाई देती है, तो इसका मतलब है कि आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और मानसिक शांति मिलेगी। यह सपना दर्शाता है कि आपकी सभी समस्याएं जल्द ही समाप्त होंगी और आपके जीवन में स्थिरता आएगी।

मोर नृत्य करते देखना

मोर का नृत्य हमेशा शुभ माना जाता है, और स्वप्नशास्त्र के अनुसार, दिवाली से पहले अगर आपको सपने में मोर नाचता हुआ दिखाई देता है, तो यह इस बात का संकेत है कि आपके जीवन में सुख–समृद्धि आने वाली है। यह सपना विशेष रूप से उन लोगों के लिए शुभ है जो किसी बड़ी सफलता की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मोर का नृत्य सुंदरता, खुशी और आध्यात्मिक उन्नति का प्रतीक है। स्वप्नशास्त्र के अनुसार, दिवाली से पहले आने वाले ये विशेष सपने न केवल शुभ संकेत होते हैं, बल्कि यह भी बताते हैं कि आपकी किस्मत जल्द ही चमकने वाली है। यदि आपको इन सपनों का दर्शन होता है, तो यह संकेत है कि माँ लक्ष्मी की कृपा आप पर है और आने वाला समय आपके लिए समृद्धि और सफलता से भरा हुआ होगा।

संक्षिप्त

सुनील मित्तल ने उपग्रह कंपनियों को स्पेक्ट्रम खरीदने के लिए किया प्रोत्साहित

नयी दिल्ली । दूरसंचार दिग्गज सुनील भारती मित्तल ने उपग्रह कंपनियों के लिए लाइसेंस शुल्क का भुगतान करने के साथ–साथ अपनी दूरसंचार सेवाओं के लिए 'एयरवेव' खरीदने की मंगलवार को वकालत की जैसा कि पुरानी कंपनियां करती हैं, ताकि समान अवसर उपलब्ध कराया जा सके। भारत की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल के प्रमुख मित्तल ने 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस' में कहा कि मौजूदा दूरसंचार कंपनियां उपग्रह सेवाओं को सुदूर क्षेत्रों तक पहुंचाएंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में उन्होंने कहा, '' और जो उपग्रह कंपनियां शहरी क्षेत्रों में आकर खुदरा ग्राहकों को सेवा देने की महत्वाकांक्षा रखती हैं, उन्हें भी बाकी लोगों की तरह दूरसंचार लाइसेंस के लिए भुगतान करना होगा। उन पर भी समान शर्तें लागू होंगी।'' मित्तल ने कहा, '' उन्हें दूरसंचार कंपनियों की तरह स्पेक्ट्रम खरीदने की जरूरत है, उन्हें दूरसंचार कंपनियों की तरह लाइसेंस के लिए भुगतान करना होगा और साथ ही दूरसंचार कंपनियों के नेटवर्क को सुरक्षित करना होगा।'' इससे पहले अंबानी की रिलायंस जियो ने पिछले सप्ताह दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को पत्र लिखकर दूरसंचार नियामक ट्राई की इस सिफारिश का विरोध किया था कि सैटेलाइट ब्रॉडबैंड को नीलाम न करके, आवंटित किया जाए। एलन मस्क की स्टारलिंक और अमेजन के प्रोजेक्ट कुइपर जैसी वैश्विक कंपनियां प्रशासनिक आवंटन का समर्थन करती हैं।

टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने किया ऐलान, पांच वर्षो कंपनी देगी पांच लाख नौकरियां

टाटा समूह अब नई उड़ान भरने के लिए तैयार है। टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने मंगलवार को कहा कि समूह अगले पांच वर्षों में सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और संबंधित उद्योगों सहित विभिन्न क्षेत्रों में 500,000 विनिर्माण नौकरियां सृजित करने की योजना बना रहा है। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, इंडियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी में चंद्रशेखरन ने इस बात पर जोर दिया कि भारत विनिर्माण क्षेत्र में नौकरियां पैदा किए बिना विकसित राष्ट्र बनने के अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, ष्सेमीकंडक्टर, प्रिसिज़न मैन्यूफैक्चरिंग, असेंबली, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और संबंधित क्षेत्रों में हमारे निवेश के माध्यम से, हमारा लक्ष्य अगले पांच वर्षों में 500,000 विनिर्माण नौकरियां पैदा करना है। उन्होंने असम में समूह के आगामी सेमीकंडक्टर संयंत्र और इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरी के लिए अतिरिक्त विनिर्माण इकाइयों पर प्रकाश डालते हुए कहा, हम कई संयंत्र स्थापित कर रहे हैं। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि अभी तक उन्हें सभी विवरण ज्ञात नहीं हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि इन नौकरियों का महत्वपूर्ण गुणक प्रभाव होगा। उन्होंने कहा कि आवश्यक पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित होने पर कम से कम 500,000 लघु एवं मध्यम उद्यम उभरेंगे। चंद्रशेखरन ने इन पहलों के लिए सरकार के समर्थन की सराहना की तथा विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा, ष्यदि हम विनिर्माण क्षेत्र में नौकरियां पैदा नहीं करते हैं तो हम विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकते, खासकर तब जब हर महीने 10 लाख लोग कार्यबल में शामिल हो रहे हैं।'' उन्होंने 100 मिलियन नौकरियां पैदा करने की आवश्यकता पर बल दिया तथा इस बात पर प्रकाश डाला कि सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्र प्रत्येक प्रत्यक्ष रोजगार के बदले आठ से दस अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा कर सकते हैं। उल्लेखनीय रूप से, 31 मार्च, 2024 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष (FY23) में, भारत के विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार में 7.4: की वृद्धि हुई, जिससे वित्त वर्ष 22 में 1.1 मिलियन की तुलना में 1.3 मिलियन नए रोजगार जुड़े। राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन (एनएसओ) के आंकड़ों से पता चलता है कि यह वृद्धि क्षेत्र के सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में मजबूत प्रदर्शन से प्रेरित थी, जो मौजूदा कीमतों पर 7.3: बढ़कर 21.97 ट्रिलियन रुपये तक पहुंच गई।

रिजर्व बैंक ने फिनसर्व कंपनी के खिलाफ लिया बड़ा एक्शन, इन बैंकों पर भी लगाया जुर्माना

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने एसजी फिनसर्व लिमिटेड पर 28.30 लाख रुपये का जुर्माना लगा दिया है। कंपनी पर आरोप है कि उसने रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट संबंधित शर्तों का पालन नहीं किया था। इस कारण कंपनी पर रिजर्व

बैंक ने भारी जुर्माना ठोका है। एसजी फिनसर्व का नाम पहले मूंगिपा सिक्योरिटीज हुआ करता था। गौरतलब है कि आरबीआई वित्तीय संस्थाओं के नॉन कंप्लाइंस मुद्दों पर नजर रखने का काम करता है। पेनल्टी जैसे एक्शन भी बैंक द्वारा संस्थानों के खिलाफ लिए जाते है। कंपनियों और बैंकों पर ऊपर केंद्रीय बैंक की नजर हमेशा रहती है।

एसजी फिनसर्व पर लगा 28.30 लाख रुपये का जुर्माना

रिजर्व बैंक का कहना है कि वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान कंपनी की फाइनेंशियल डिटेल्स में खुलासा हुआ है कि कंपनी ने सर्टिफिकेट ऑफ रजिस्ट्रेशन से संबंधित खास शर्तों का पालन नहीं किया है। आरबीआई की मानें तो कंपनी ने सीओआर में शर्तों का पालन नहीं किया था। नियमों का पालन नहीं करने के बाद भी पैसा डिपॉडिट के तौर पर लोन दिए गए थे। इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक पर भी 14 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। बैंक पर आरोप लगा है कि उसने फाइनेंशियल क्राइटेरिया को पूरा नहीं किया था। इसके साथ ही केवाईसी से संबंधित निर्देशों का पालन भी नहीं किया था। इन उल्लंघनों के कारण ही रिजर्व बैंक ने जुर्माना लगाया है।

आरबीआई ने इन बैंकों पर भी लिया एक्शन

आरबीआई ने तीन अन्य बैंकों पर भी एक्शन लिया है। इसमें जिला सहकारी केंद्रीय बैंक लिमिटेड–भिंड, द अर्बन को–ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड धरनगांव और श्री कालाहस्ती को–ऑपरेटिव टाउन बैंक लिमिटेड–आंध्र प्रदेश शामिल है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट में विराट से दमदार प्रदर्शन की उम्मीद, 9000 रन पूरे करने से 53 रन दूर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली से आगामी टेस्ट सीरीज में दमदार प्रदर्शन की उम्मीद है। किंग कोहली के पास अब टेस्ट क्रिकेट में नौ हजार रन पूरे करने का सुनहरा मौका है। वह ऐसा करने से सिर्फ 53 रन दूर है। फिलहाल वह टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। इस लिस्ट में शीर्ष पर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 16 अक्तूबर से शुरू होने जा रहे टेस्ट मुकाबले में भारतीय दिग्गज से बड़ी पारी की आस है। कोहली ने टेस्ट की पिछली आठ पारियों में सिर्फ एक बार अर्धशतक लगाया है। दिसंबर, 2023 में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 76 रनों की दमदार पारी खेली थी। वहीं, बांग्लादेश के खिलाफ खत्म हुई दो मैचों की टेस्ट सीरीज में भी उनका बल्ला कुछ खास नहीं चला।

गंभीर ने जताया कोहली पर भरोसा

चेन्नई टेस्ट में पूर्व कप्तान ने पहली पारी में छह और दूसरी पारी में 17 रन बनाए। वहीं, कानपुर में उन्होंने पहली पारी में 47 रन और दूसरी पारी में नाबाद 29 रन बनाए। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए शुरुआत से पहले गंभीर ने उम्मीद जताई कि आगामी सीरीज में वह अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे। गंभीर ने कहा– कोहली को लेकर मेरी सोच एकदम स्पष्ट है कि वह विश्व स्तरीय क्रिकेटर हैं। उसने इतने साल से इतना अच्छा प्रदर्शन किया है। रनों को लेकर उसकी भूख वैसी ही है जैसी पदार्पण के समय थी। मुझे याद है जब मैंने उनके डेब्यू पर श्रीलंका के खिलाफ कोहली के साथ साझेदारी की थी। उस समय में उनके अंदर रन बनाने की ऐसी ही भूख थी। यही भूख उसे विश्व स्तरीय क्रिकेटर बनाती है। मुझे यकीन है कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज

में और फिर ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के दौरान भी रन बनाएगा।

कोहली ने इस वर्ष नहीं लगाया है कोई अर्धशतक

विराट ने इस वर्ष तीन टेस्ट मैच खेले हैं इनमें कोई अर्धशतक नहीं लगाया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ उनके प्रदर्शन पर नजर डालें तो 11 टेस्ट मुकाबलों में उन्होंने 45.57 के औसत से 866 रन बनाए हैं। वहीं, उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 211 का रहा है। कोहली ने कीवियों के खिलाफ इस प्रारूप में तीन शतक और इतने ही अर्धशतक लगाए हैं।

डब्लूटीसी की तालिका में शीर्ष पर भारत

विश्व टेस्ट चौंपियनशिप को लेकर भारत का सफर शानदार ढंग से जारी है। 74.24 प्रतिशत अंकों के साथ भारतीय टीम लगातार तीसरे टेस्ट चौंपियनशिप फाइनल में खेलने की सबसे बड़ी दावेदार है। न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में भी रोहित शर्मा की टीम को मजबूत दावेदार माना जा रहा है। बांग्लादेश पर 2–0 से जीत के बाद भारतीय टीम सभी विभागों में खरी उतरी।

तेज गेंदबाजी में बेंच स्ट्रेंथ की जरूरत क्योंकि हम कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं होना चाहते : रोहित

बेंगलुरू । भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि टीम के पास बल्लेबाजों का एक मजबूत समूह है और वह तेज गेंदबाजी में भी इसी तरह का समूह बनाना चाहते हैं जिससे कि चोटों का टीम के संतुलन पर असर नहीं पड़े। रोहित की यह टिप्पणी उस समय आई है जब सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को चोट से उबरने में अधिक समय लग रहा है जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल के कंधे में भी चोट लगी है जिन्हें जिन्हें हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था। रोहित ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर कहा, ''जब बल्लेबाजी की बात आती है तो बहुत सारे विकल्प हैं। हम गेंदबाजी में भी यही करना चाहते हैं। हम बेंच स्ट्रेंथ बनाना चाहते हैं जहां अगर कल किसी को कुछ भी होता है तो हमें चिंता नहीं हो।'' उन्होंने कहा, ''हम कुछ खिलाड़ियों पर बहुत अधिक निर्भर नहीं रहना चाहते। ऐसा करना सही नहीं है। हम भविष्य को देखते हुए यह सुनिश्चित करने की कोशिश करना चाहते हैं कि हमें सही खिलाड़ी मिलें।'' यही कारण है कि भारत द्वारा तेज गेंदबाजों मयंक यादव, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए रिजर्व के रूप में चुना जाना आश्चर्य की बात नहीं थी। हालांकि प्रसिद्ध की टीम के साथ यात्रा राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी से फिटनेस स्वीकृति मिलने पर निर्भर है क्योंकि उन्हें इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ कर्नाटक के शुरुआती रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान चोट लग गई थी। रोहित ने साथ ही बताया कि भारतीय थिंक टैंक क्यों चाहता था कि ये युवा तेज गेंदबाज सीनियर टीम के साथ रहें। उन्होंने कहा, ''तो कल अगर हमें लगता है कि वे उस भूमिका (घायल तेज गेंदबाज की जगह) को निभाने के लिए तैयार हैं तो उन्हें इसके लिए तैयार रहना चाहिए। बेशक उन्होंने हमारी घोषणा से पहले कुछ मैच खेले हैं।'' रोहित ने कहा, ''उन्होंने दलीप ट्रॉफी, ईरानी ट्रॉफी भी खेली है। इसलिए हम बस यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उन पर अच्छी तरह से नजर रखी जाए। उनके काम के बोझ का ध्यान रखा जाए।'' रोहित ने कहा कि ऐसा कदम उठाना जरूरी है क्योंकि टेस्ट क्रिकेट सफेद गेंद के प्रारूपों की तुलना में बिलकुल अलग खेल है और गेंदबाजों को इससे सामंजस्य बैठाने में समय लगता है।

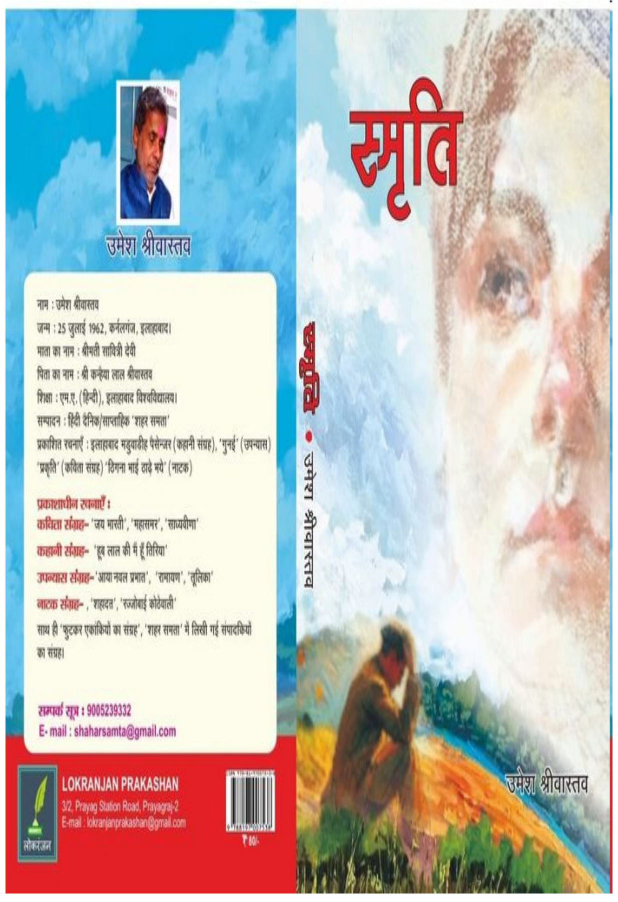

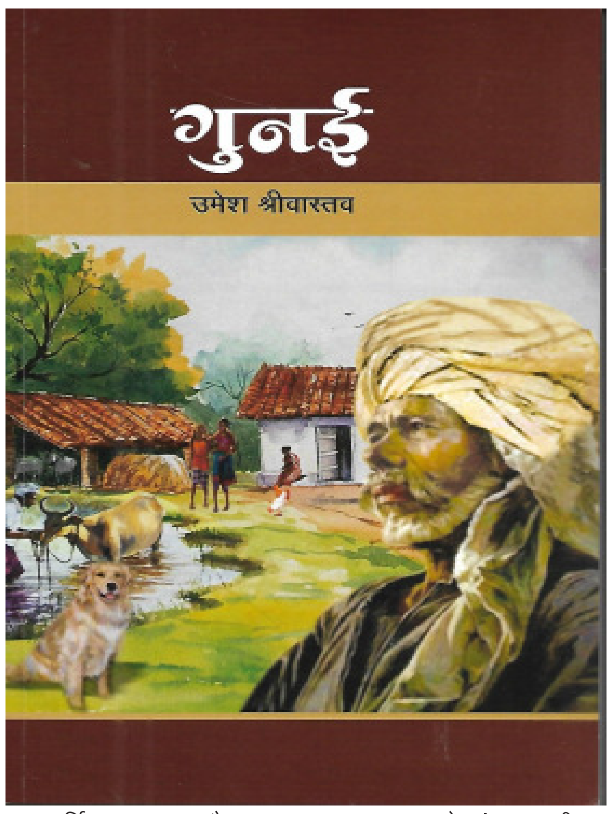

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

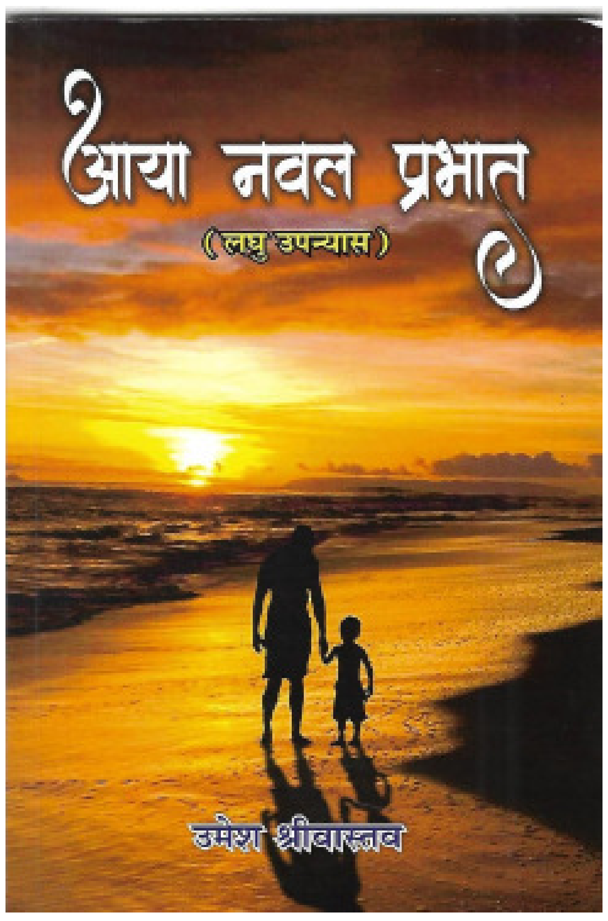

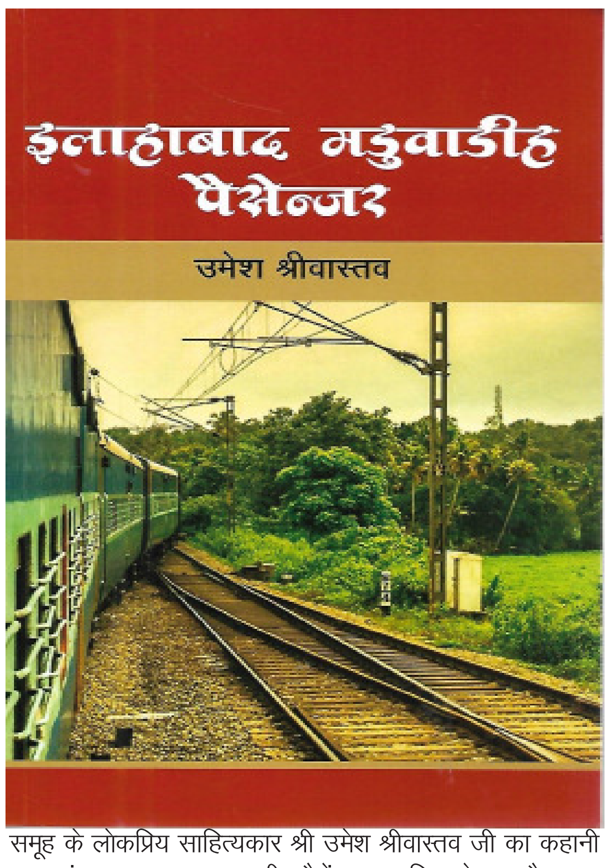

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

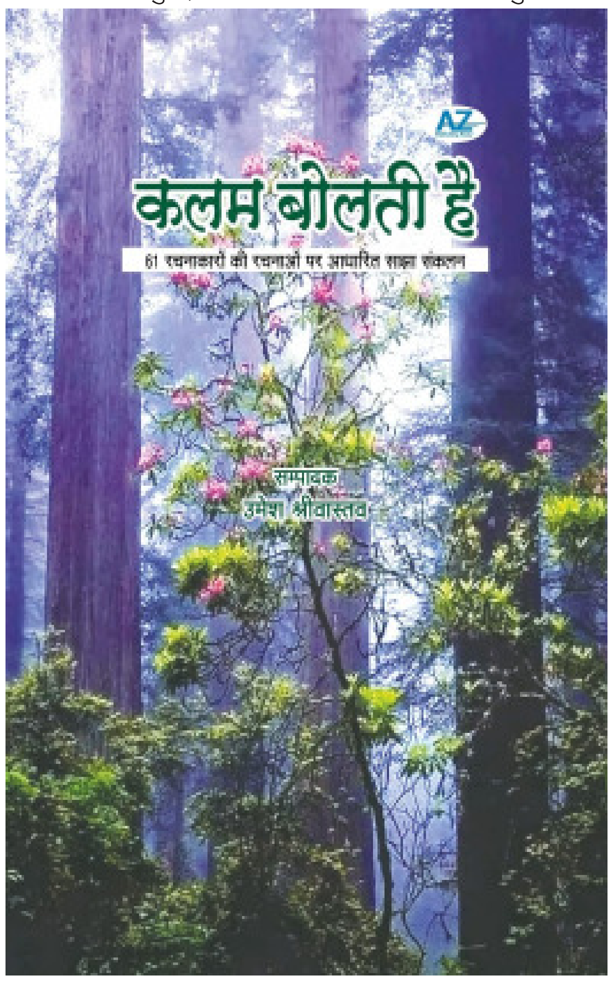

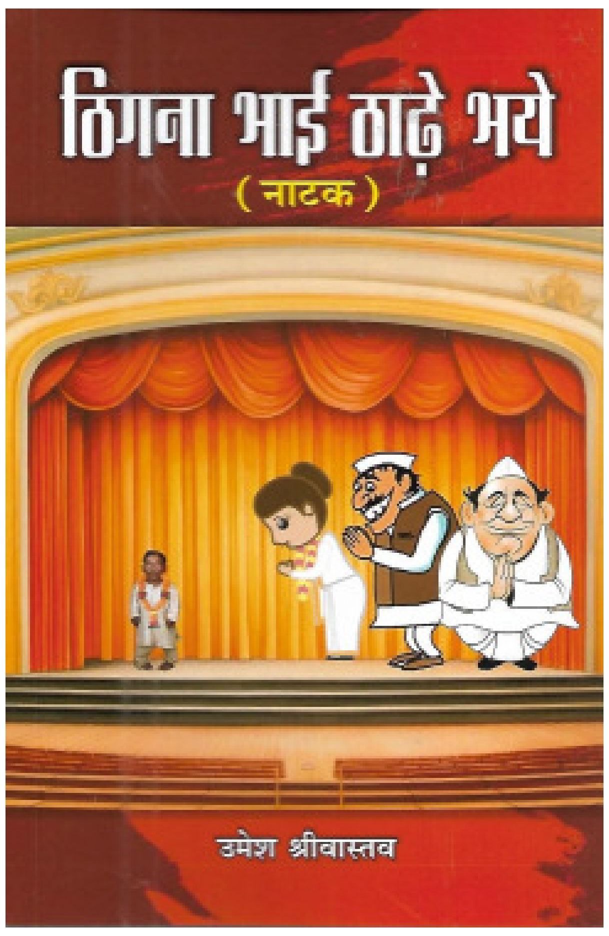

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

गिरती लोकप्रियता और बढ़ते असंतोष से ध्यान हटाने के लिए जस्टिन ट्रूडो ने फिर उठाया भारत विरोधी कदम

भारत के खिलाफ आक्रामक रुख रखने वाले और अक्सर भारत विरोधियों के समर्थन में खड़े होने वाले कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपने ताजा बयान में कहा है कि पिछले साल कनाडाई नागरिक की हत्या में भारतीय अधिकारियों की संलिप्तता के आरोपों से संबंधित जो भी सूचनाएं देश के पास हैं उन्हें विशेष रूप से अमेरिका सहित अपने निकट सहयोगियों के साथ साझा किया गया है। हम आपको बता दें कि जस्टिन ट्रूडो द्वारा जल्दबाजी में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही गयी। यह संवाददाता सम्मेलन ऐसे समय में बुलाया गया जब भारत ने सोमवार को कनाडा के छह राजनयिकों को निष्कासित कर दिया तथा कनाडा से अपने उच्चायुक्त और ''निशाना बनाए जा रहे'' अन्य राजनयिकों एवं अधिकारियों को वापस बुलाने की घोषणा की। दरअसल सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच से भारतीय राजनयिकों को जोड़ने के कनाडा के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए भारत ने यह कार्रवाई की है। इससे दोनों देशों के बीच पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों में और कटुता आ गई है। हम आपको याद दिला दें कि निज्जर की पिछले साल जून में ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हम आपको बता दें कि भारत द्वारा उच्चायुक्त संजय वर्मा और कुछ अन्य राजनयिकों को वापस बुलाने का निर्णय कनाडा के प्रभारी राजदूत स्टीवर्ट व्हीलर्स को विदेश मंत्रालय में तलब किए जाने के कुछ ही समय बाद आया। व्हीलर्स को स्पष्ट रूप से संदेश दिया गया कि भारतीय उच्चायुक्त संजय वर्मा और अन्य राजनयिकों एवं अधिकारियों को निराधार तरीके से निशाना बनाना पूरी तरह अस्वीकार्य है।

इस बीच, अमेरिकी अखबार 'वाशिंगटन पोस्ट' ने कनाडा के कुछ अधिकारियों का नाम जाहिर किए बिना उनके हवाले से खबर प्रकाशित की है कि कनाडा ने छह भारतीय राजनयिकों को देश छोड़ने का आदेश दिया है जिनमें वर्मा और टोरंटो में वाणिज्य दूतावास के शीर्ष अधिकारी शामिल हैं। समझा जाता है कि वर्मा और अन्य अधिकारी अगले कुछ दिन में कनाडा से लौट आएंगे। हम आपको बता दें कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने ओटावा में संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''पिछली गर्मियों से ही हम अपने साझेदारों, खासकर अमेरिका के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, जहां न्यायेतर हत्या के प्रयास के मामले में भारत का इसी तरह बर्ताव सामने आया था।'' उन्होंने कहा कि हम अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे तथा कानून के शासन के लिए एकजुट रहेंगे। उन्होंने कहा, श्हमने पिछले सप्ताह अपनी सुरक्षा एजेंसियों, राजनयिकों और पुलिस एजेंसियों के माध्यम से भारत सरकार से संपर्क किया, ताकि इस गहरे मतभेद को दूर करने का रास्ता खोजा जा सके... कनाडावासियों की रक्षा की जा सके... वहीं भारत और कनाडा के बीच के अच्छे संबंध प्रभावित नहीं हों।'' कनाडा के प्रधानमंत्री ने कहा कि दुर्भाग्य से, भारत ने ''हमारे साथ काम करने का विकल्प नहीं चुना है। उन्होंने इस (ट्रूडो) सरकार के खिलाफ व्यक्तिगत हमले करने, उसे नकारने और उसे पीछे धकेलने का विकल्प चुना और हमारी एजेंसियों तथा संस्थानों की ईमानदारी पर सवाल उठाया। इसलिए हमें कनाडा के लोगों की सुरक्षा के लिए जवाब देना पड़ा है।'' ट्रूडो ने आरोप लगाया, ''मेरा मानना है कि भारत ने अपने राजनयिकों और संगठित अपराध का इस्तेमाल करके कनाडा के लोगों पर हमला करने, उन्हें अपने घरों में असुरक्षित महसूस कराने और इससे भी बढ़कर हिंसा तथा यहां तक कि हत्या की वारदातों को अंजाम देने का रास्ता चुनकर एक बड़ी गलती की है। यह अस्वीकार्य है।'' ट्रूडो ने कहा कि उन्होंने पिछले सप्ताह इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी। हम आपको बता दें कि पिछले सप्ताह, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो के बीच लाओस में पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन से इतर 'संक्षिप्त बातचीत' हुई थी। जस्टिन ट्रूडो ने कहा, ष्जैसा कि आरसीएमपी आयुक्त ने पहले कहा था, उनके पास स्पष्ट सबूत हैं कि भारत सरकार के एजेंट ऐसी गतिविधियों में शामिल रहे हैं और अभी भी शामिल हैं। इससे सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा होता है, जिनमें गोपनीय सूचना जुटाने की तकनीक, दक्षिण एशियाई कनाडाई लोगों को निशाना बनाकर उनके साथ दंडात्मक व्यवहार करना और हत्या सहित एक दर्जन से अधिक धमकी भरे और हिंसक कृत्यों में संलिप्तता शामिल है।ष ट्रूडो ने दावा किया कि आरसीएमपी और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों ने इस मामले में भारत के साथ मिलकर काम करने का प्रयास किया है, लेकिन उन्हें बार–बार अस्वीकार कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया, ष्यही कारण है कि इस सप्ताहांत, कनाडाई अधिकारियों ने एक असाधारण कदम उठाया। उन्होंने आरसीएमपी के साक्ष्य साझा करने के लिए भारतीय अधिकारियों से मुलाकात की, जिसमें निष्कर्ष निकला कि भारत सरकार के छह एजेंट आपराधिक गतिविधियों में कथित रूप से संलिप्त हैं। उन्होंने दावा किया, भारत से बार–बार अनुरोध के बावजूद, उसने सहयोग न करने का फैसला किया है। हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अब तक अपने दो करीबी सहयोगियों और साझेदारों भारत और कनाडा के बीच राजनयिक संकट पर कोई बयान नहीं दिया है। हालांकि अमेरिकी विदेश विभाग ने यह जरूर कहा है कि एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की नाकाम साजिश में एक भारतीय सरकारी अधिकारी की संलिप्तता के आरोपों की जांच के लिए गठित भारतीय जांच समिति मंगलवार को वाशिंगटन आएगी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है, ''जांच समिति अपनी तफ्तीश के तहत मामले पर बातचीत के लिए 15 अक्टूबर को वाशिंगटन की यात्रा करेगी। इस दौरान, प्राप्त सूचनाओं पर बातचीत की जाएगी और यहां के अधिकारियों से ताजा जानकारी प्राप्त की जाएगी।'' हम आपको बता दें कि भारत ने कुछ संगठित अपराधियों की गतिविधियों की जांच करने के लिए समिति की स्थापना की थी और यह उस व्यक्ति की सक्रियता से जांच कर रही है, जिसकी पहचान पिछले साल न्याय विभाग के अभियोग में एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के रूप में की गई थी, जिस पर न्यूयॉर्क शहर में एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की साजिश रचने का निर्देश देने का आरोप था लेकिन साजिश नाकाम रही। हम आपको याद दिला दें कि पिछले साल नवंबर में, अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर न्यूयॉर्क में सिख अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश में एक भारतीय सरकारी अधिकारी के साथ मिलकर काम करने का आरोप लगाया था। निखिल गुप्ता को पिछले साल जून में चेक गणराज्य में गिरफ्तार किया गया था और 14 जून को उसे अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया। भारत ने आरोपों से इंकार किया है, लेकिन इसकी जांच के लिए एक आंतरिक जांच दल का गठन किया है। जहां तक जस्टिन ट्रूडो के आरोपों पर भारत की प्रतिक्रिया की बात है तो आपको बता दें कि भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत के खिलाफ उग्रवाद, हिंसा और अलगाववाद को ट्रूडो सरकार के समर्थन के जवाब में, भारत आगे कदम उठाने का अधिकार रखता है।'' मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री ट्रूडो का भारत के प्रति बैरपूर्ण रुख लंबे समय से स्पष्ट है। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''ट्रूडो ने 2018 में भारत की यात्रा की थी जिसका मकसद वोट बैंक को साधना था, लेकिन यह यात्रा उन्हें असहज करने वाली साबित हुई। उनके मंत्रिमंडल में ऐसे व्यक्ति शामिल हैं, जो भारत को लेकर चरमपंथी और अलगाववादी एजेंडे से खुले तौर पर जुड़े हुए हैं। दिसंबर 2020 में भारत की आंतरिक राजनीति में उनका स्पष्ट हस्तक्षेप दिखाता है कि वह इस संबंध में कहां तक जाना चाह रहे थे।'' जहां तक जस्टिन ट्रूडो की भारत के खिलाफ आक्रामकता बढ़ने के असल कारणों की बात है तो आपको बता दें कि दरअसल घरेलू स्तर पर गिरती लोकप्रियता रेटिंग और अपने खिलाफ बढ़ते असंतोष के चलते ट्रूडो को यह कदम उठाना पड़ रहा है। कनाडाई मीडिया में ट्रूडो के इस कदम को अगले साल के संघीय चुनावों से पहले राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सिख समुदाय को लुभाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल जीवनयापन की बढ़ती लागत, खराब स्वास्थ्य सेवा प्रणाली और बढ़ती अपराध दर की शिकायतों के बीच, इप्सोस सर्वेक्षण से पता चला है कि केवल 26: लोगों ने ट्रूडो को सर्वश्रेष्ठ पीएम उम्मीदवार के रूप में देखा, जोकि कंजर्वेटिव नेता पियरे पोइलीवरे से 19 प्रतिशत अंक कम है। कई राजनीतिक विशेषज्ञ भविष्यवाणी कर रहे हैं कि ट्रूडो की पार्टी को ब्रिटेन में कंजर्वेटिवों की तरह ही चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ेगा। हम आपको बता दें कि कनाडा में 7.7 लाख से अधिक सिख हैं, जो चौथा सबसे बड़ा जातीय समुदाय है। माना जाता है कि कनाडा में सिखों का एक बड़ा वर्ग खालिस्तान की मांग का समर्थन करता है। देखा जाये तो खालिस्तान समर्थक अलगाववादियों पर ट्रूडो की नीति को लेकर भारत हमेशा आपत्ति जताता रहा है। पिछले साल नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर ट्रूडो के साथ बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कनाडा में चरमपंथियों द्वारा भारत विरोधी गतिविधियों पर चिंता व्यक्त की थी। वैसे, यह पहली बार नहीं है कि अलगाववादियों ने भारत और कनाडा के बीच द्विपक्षीय संबंधों में बड़ी खटास पैदा की है। ट्रूडो के पिता, पियरे ट्रूडो जब कनाडा के प्रधानमंत्री थे तब उन्होंने भी नई दिल्ली के साथ बेहतर संबंध नहीं रखे थे।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के साथ मिलकर काम कर रहे हैं भारतीय सरकारी 'एजेंट' : कनाडा पुलिस का बड़ा दावा

भारत और कनाडा के बीच ताजा राजनयिक गतिरोध के बीच, कनाडा पुलिस ने आरोप लगाया है कि भारत सरकार के एजेंट कनाडा की धरती पर आतंक फैलाने के लिए लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस की सहायक आयुक्त ब्रिगिट गौविन ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, भारत दक्षिण एशियाई समुदाय को निशाना बना रहा है, लेकिन वे विशेष रूप से कनाडा में खालिस्तानी समर्थक तत्वों को निशाना बना रहे हैं... आरसीएमपी के नजरिए से हमने देखा है कि वे संगठित अपराध तत्वों का इस्तेमाल करते हैं। इसे सार्वजनिक रूप से एक संगठित अपराध समूह – बिश्नोई समूह द्वारा जिम्मेदार ठहराया गया है और इसका दावा किया गया है... हमारा मानना ष्है कि यह समूह भारत

सरकार के एजेंटों से जुड़ा हुआ है। ये आरोप ऐसे समय में सामने आए हैं जब लॉरेंस बिश्नोई गिरोह महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या में कथित संलिप्तता के लिए भारत में कानून प्रवर्तन एजेंसियों की नजर में है। गिरोह ने अभिनेता सलमान खान को कई धमकी भरे संदेश भेजे हैं और पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या में भी शामिल था। गौरतलब है कि 31 वर्षीय बिश्नोई पंजाब का एक गैंगस्टर है और वर्तमान में अहमदाबाद की साबरमती सेंट्रल जेल में बंद है। कनाडा पुलिस ने एक बयान में कहा, ष्टीम को भारत सरकार के एजेंटों द्वारा संचालित आपराधिक गतिविधियों की व्यापकता और गहराई तथा कनाडाई नागरिकों और कनाडा में रहने वाले व्यक्तियों की सुरक्षा के लिए उत्पन्न खतरों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। इसने कहा कि कानून प्रवर्तन कार्रवाई के बावजूद, ष्नुकसान जारी हैष। पुलिस के बयान में कहा गया है, ष्हम एक ऐसे बिंदु पर पहुँच गए हैं जहाँ हमें लगा कि भारत सरकार से बात करना और हमारी जाँच के माध्यम से सामने आए कुछ बहुत गंभीर निष्कर्षों के बारे में जनता को सूचित करना ज़रूरी है। कनाडा में हिंसक चरमपंथ का खतरा है जिस पर कनाडा और भारत पिछले कई सालों से काम कर रहे हैं। हालाँकि, ये खतरे कनाडा और भारत की सहयोग करने की क्षमता को प्रभावित कर रहे हैं। खालिस्तान समर्थक सिख कट्टरपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच को लेकर बढ़ते विवाद के बीच विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कार्यवाहक उच्चायुक्त स्टीवर्ट रॉस व्हीलर सहित छह कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित करने की घोषणा की। राजनयिकों को 19 अक्टूबर (शनिवार) रात 11:59 बजे तक या उससे पहले भारत छोड़ने के लिए कहा गया है।

चीन की बढ़ने वाली है टेंशन, अपने पहले विदेश दौरे पर जापान पहुंचे आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी, टोक्यो की यात्रा क्यों है अहम

जनरल उपेंद्र द्विवेदी आर्मी चीफ के तौर पर अपने पहले विदेश दौरे में जापान पहुंच गए। यह विजिट 17 अक्टूबर तक है। चीन से निपटने के लिए भारत और जापान की लगातार बढ़ती साझेदारी को देखते हुए यह दौरा अहम है। हालांकि इससे पहले के आर्मी चीफ अपने पहले विदेश दौरे में पड़ोसी देश जाते रहे हैं। इंडियन आर्मी ने कहा कि जनरल द्विवेदी की यह जापानपहुंच गए हैं। जनरल उपेंद्र यात्रा भारत और जापान द्विवेदी के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम है। आर्मी चीफ तोक्यो में भारतीय दूतावास में भारत–जापान संबंधों पर चर्चा करेंगे। वहीं, जापान की सेना के सीनियर अधिकारियों से संवाद करेंगे। इन चर्चाओं का मकसद भारत और जापान के बीच सैन्य सहयोग को सुदृढ़ करना होगा। भारत और जापान के बीच बढ़ती साझेदारी, खासकर चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने को देखते हुए यह यात्रा काफी मायने रखती है। वर्तमान में जापानी नौसेना मालाबार अभ्यास के हिस्से के रूप में बंगाल की खाड़ी में भारतीय नौसेना के साथ संयुक्त नौसैनिक अभ्यास कर रही है। अभी दो महीने पहले, जापान के विदेश मंत्री योको कामिकावा और रक्षा मंत्री किहारा माइनोरू ने 2+2 डायलॉग के लिए भारत का दौरा किया था, जहां इंडो–पैसिफिक क्षेत्र पर चर्चा मुख्य फोकस थी। भारत और जापान दोनों ही हिंद–प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। दोनों देशों की सरकारों ने दोहराया है कि वर्तमान वैश्विक परिवेश में, स्वतंत्र, खुले, समावेशी और समृद्ध भारत–प्रशांत क्षेत्र को सुनिश्चित करने के लिए भारत–जापान रक्षा साझेदारी को मजबूत करना आवश्यक है।

डन हुई 31 प्रीडेटर ड्रोन की डील, इसी से मारा गया था सुलेमानी, तीनों सेनाओं को मिलेंगे, देश में ही बनेगी मेंटेनेंस फैसिलिटी

भारत और अमेरिका ने आज तीनों सेनाओं के लिए 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदने और देश में उनके लिए रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल सुविधा स्थापित करने के लिए 32,000 करोड़ रुपये के डील पर हस्ताक्षर किए। वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में दोनों पक्षों ने डील पर हस्ताक्षर किए। पिछले हफ्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक में ये डील फाइनल हुई थी। भारत ने अमेरिका के साथ यूएस प्रेसिडेंडिशियल इलेक्शन के एक हफ्ते पहले ये डील साइन किया है। आखिर क्यों भारत को चाहिए प्रीडेटर ड्रोन भारत के पास जो ड्रोन हैं वो रिकॉनिसेंस और सर्विलेंस मिशन के लिए हैं। अभी तक हमारे पास एक भी ऐसा ड्रोन नहीं है जो हथियार या बम गिरा सकता है। जिसे अनमैन्ड एरियल व्हीकल बोलते हैं या हंटर किलर ड्रोन। लेकिन हमारे पास कुछ प्रोग्राम्स हैं, जिसमें से कुछ ऐसे कॉम्बैट एयर व्हीकल्स पर काम हो रहा है। हमारे पास इजरायल के बने सर्चर, मार्क–2 और हेरन ड्रोन का इस्तेमाल 2004 से अभी तक हो रहा है। चीन के साथ–साथ हिंद महासागर क्षेत्र में सीमा की निगरानी के लिए भारत को हथियारों से लैस इन ड्रोन की जरूरत है।

इसी से मारा गया था अलजवाहिरी MQ-9B ड्रोन डफ–9 श्रीपरश का दूसरा वर्जन है। इसका इस्तेमाल काबुल में हेलफायर मिसाइल के एक मोडिफाइड वर्जन को दागने के लिए किया गया था।

संक्षिप्त

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाकिस्तान को दिखाया आईना, मानवाधिकारों के मुद्दे पर सुनाई खरी–खरी

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में भारतीय राजनयिक एल्डोस मैथ्यू पुन्नूस ने सोमवार को गैर–उपनिवेशीकरण मुद्दे पर बहस के दौरान भारत के जवाब देने के अधिकार का इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान को खरी–खोटी सुनाई। दरअसल पाकिस्तान ने अपने संबोधन में जम्मू कश्मीर और लद्दाख को लेकर आधारहीन आरोप लगाए थे। इस पर भारत ने अपने जवाब में पाकिस्तान के निराधार आरोपों की कड़ी निंदा की और पीओके में मानवाधिकार हनन के मुद्दे पर पड़ोसी देश को घेर लिया। पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए भारतीय राजनयिक ने कहा, श्पाकिस्तान द्वारा लगाए गए निराधार आरोप मुख्य रूप से जम्मू–कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित हैं। भारत यह दोहराना चाहेगा कि जम्मू–कश्मीर और लद्दाख भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग हैं, थे और रहेंगे। पाकिस्तान भारत के आंतरिक मामलों पर जवाब देने का हकदार नहीं है। उन्होंने आगे कहा, श्इस समय, हम पाकिस्तान को सलाह देते हैं कि वह पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर और लद्दाख (पीओजेकेएल) में हो रहे गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन को रोके। दुनिया जानती है कि पाकिस्तान किस तरह से विभाजनकारी गतिविधियां चलाता है। भारत इस बात पर जोर देना चाहेगा कि हमारी नींव पाकिस्तान के विपरीत, लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित है।श पाकिस्तान की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दिखावटी चुनावों, विपक्षी नेताओं की कैद और राजनीतिक आवाजों के दमन के लिए बदनाम है। भारतीय राजनयिक ने कहा कि श्पाकिस्तान, जम्मू कश्मीर में असल लोकतंत्र को काम करते देखकर दुखी हुआ होगा। बीते हफ्ते ही जम्मू कश्मीर में चुनाव नतीजे घोषित किए गए हैं और इस दौरान लाखों मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया और संवैधानिक ढांचे के तहत अपने नेता का चुनाव किया। साफ तौर पर पाकिस्तान इससे पूरी तरह नावाकिफ है।श एल्डोस मैथ्यू पुन्नूस ने कहा कि श्पाकिस्तान आतंकवाद का समर्थन करने के लिए बदनाम है और हैरानी इस बात की है कि वह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र पर सवाल उठा रहा है। पड़ोसियों के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद पाकिस्तान की नीति का हिस्सा रहा है।

ताइवान की सीमा में घुसे 14 युद्धपोत और 153 विमान, मध्य रेखा के साथ ही चीन ने पार की हद

चीन और ताइवान के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। बीजिंग अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। एक बार फिर चीनी सेना ने ताइवान की सीमा में घुसपैठ की कोशिश की। हालांकि, ताइवान की सेना ने भी इसका जवाब दिया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीन के विमान, नौसैनिक पोत और जहाज ताइवान की सीमा के करीब देखे गए। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने बताया कि मंगलवार सुबह छह बजे ताइवान के आसपास चीनी 14 नौसैनिक पोत और 12 आधिकारिक जहाज देखे गए। जबकि 153 सैन्य विमानों को उड़ान भरते देखा गया। सेना ने बताया कि 153 विमानों में से 111 ने ताइवान स्ट्रेट की मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश किया। बता दें चीन और ताइवान के बीच यह जल संधि एक अनौपचारिक सीमा है। इसके जवाब में ताइवान ने चीन की गतिविधि की निगरानी के लिए विमान, नौसैनिक जहाजों और वायु रक्षा मिसाइल प्रणालियों को तैनात किया। एमएनडी ने यह जानकारी सोशल मीडिया मंच एक्स पर दी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, श्आज सुबह 153 विमान , 14 पोत और 12 जहाज ताइवान के आसपास नजर आए। 111 विमानों ने ताइवान स्ट्रेट की मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के उत्तरी, मध्य, दक्षिण–पश्चिमी और दक्षिणपूर्वी एडीआईजेड में प्रवेश किया। हम स्थिति पर नजर बनाए रखे हुए हैं। गौरतलब है चीन, ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान खुद को संप्रभु राष्ट्र मानता है। अब तक चीन ने सीधे ताइवान पर आक्रमण नहीं किया है, लेकिन वो ये सब कुछ ग्रे जोन में करता है। ये चीन की सेना का एक पैंतरा है, जिससे वो सीधे युद्ध तो नहीं करती लेकिन ये शक्ति प्रदर्शन करती है। ग्रे जोन का मतलब है कि कोई देश सीधा हमला नहीं करता है लेकिन इस तरह का डर हमेशा बनाए रखता है। सीधे सैन्य कार्रवाई की जगह, ऐसी कई चीजें होती रहती हैं, जिनसे हमले का डर बना रहता है। ताइवान के साथ चीन यही कर रहा है। चीन सितंबर 2020 से 'ग्रे जोन' रणनीति का अधिक बार उपयोग कर रहा है। जानकारों का कहना है कि ग्रे जोन युद्ध रणनीति दरअसल, एक तरीका है, जिससे लंबी अवधि में धीरे–धीरे प्रतिद्वंद्वी को कमजोर कर दिया जाता है और चीन ताइवान के साथ ठीक यही करने की कोशिश कर रहा है।

मिस्र बस हादसे में विश्वविद्यालय के 13 छात्रों की मौत, श्रीलंका में बाढ़ से 1.34 लाख प्रभावित

मिस्र के उत्तर–पूर्वी क्षेत्र में विश्वविद्यालय के छात्रों को ले जा रही एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई। बस दुर्घटना में 33 लोगों के घायल होने की भी खबर है। समाचार एजेंसी एपी के हवाले से आई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। श्रीलंका में भारी बारिश के कारण कई हिस्सों में बाढ़ आने से कोलंबो और उपनगरीय क्षेत्रों में स्कूलों में छुट्टी कर दी गई। भारी बारिश ने देश के कई हिस्सों में तबाही मचा दी है और घर, खेत तथा सड़कें जलमग्न हो गए हैं। बाढ़ से एक लाख 34 हजार लोग इससे प्रभावित हुए हैं। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की विफल साजिश में भारत संलिप्तता की जांच कर रही भारतीय सरकारी समिति मंगलवार को वाशिंगटन का दौरा करेगी। समिति अमेरिकी अधिकारियों से मुलाकात कर जांच में मिले सबूत और अन्य जानकारी साझा करेगी। अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से दावा किया गया है कि अज्ञात भारतीय खुफिया अधिकारी ने पिछले साल पन्नू की हत्या का निर्देश दिया था। पन्नू अमेरिकी और कनाडा की दोहरी नागरिकता रखता है। इन आरोपों के बाद भारत ने जांच समिति बनाई है। जिनेवा में अंतर संसदीय संघ की 149वीं एसेम्बली में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए बहुपक्षवाद के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, भारत सदियों से इसका प्रबल समर्थक रहा है। भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे बिरला ने मानव कल्याण के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार को बढ़ावा देने का सुझाव दिया। बिरला ने कहा कि वास्तविक अर्थों में सामान्य लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए तकनीकी प्रगति, वैज्ञानिक शोध और नवाचार के लाभ में सबकी समान हिस्सेदारी तय की जानी चाहिए। इनका उपयोग जिम्मेदारी से किया जाना चाहिए।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।